News सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-328
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, शुक्रवार 01 मार्च 2024

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

जीवन में ज्यादा रिश्ते ज़रूरी नही हैं.. पर जो रिश्ते हों उनमें जीवन होना ज़रूरी है..

सिंगल कॉलम

संदेशखाली मामले में शाहजहां शेख को गिरफ्तार, टीएमसी ने किया बाहर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता शाहजहां शेख को गिरफ्तार किया। उस प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर हमला करवाने और संदेशखाली में ग्रामीणों की जमीन के पट्टे कब्जाने और यौन शोषण का आरोप है। शेखर 55 दिनों से फरार चल रहा था। अदालत के आदेश के बाद उसे उत्तर 24 परगना जिले के मिनाखा में एक घर से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पुलिस ने उसे अदालत में उसे बशीरहाट की अदालत में पेश किया जिसने उसे दस दिन की हिरासत में भेज दिया। वहीं टीएमसी ने उसे पार्टी से निष्काशित कर दिया है। शाहजहां शेख (42 वर्षीय) को भाई के नाम से जाना जाता है। उसने बांग्लादेश सीमा के पास उत्तर 24 परगना के संदेशखाली ब्लॉक में मत्स्य पालन में एक छोटे से श्रमिक के रूप में काम की शुरूआत की थी। वह चार भाई-बहनों में सबसे बड़ा है। उसने संदेशखाली में मत्स्य पालन और ईंट भट्टों में एक श्रमिक के काम की शुरुआत की थी। साल 2004 में शेख ने ईंट भट्टों के यूनियन नेता के रूप में राजनीति में प्रवेश किया। उसे पहली बार 2006 में कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। उसे तब पहली बार पुलिस थाने बुलाया गया था। उस समय शेख की उम्र बीस साल थी और वह संदेशखाली में एक मछली बाजार में एक एजेंट के रूप में काम करता था। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, उस वक्त भी शेख को कोई डर नहीं था। हालांकि जल्द ही इसकी वजह भी समझ आ गई। शाहजहां को महज आधे घंटे के भीतर ही थाने छोड़ दिया गया था। कुछ दिनों बाद थाना प्रभारी का ही तबादला हो गया। उस समय भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का एक स्थानीय पदाधिकारी शेख के काम आया।

हिमाचल में सुक्खू सीएम बने रहेंगे कांग्रेस ने कहा- सभी मतभेद दूर

शिमला। हिमाचल प्रदेश में सरकार की स्थिति और क्रॉस वोटिंग पर कांग्रेस ने 29 फरवरी की शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और हिमाचल सीएम सुखविंदर सुक्खू शामिल थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पार्टी और विधायकों के बीच सारे मतभेद सुलझा लिए गए हैं। सुक्खू सीएम बने रहेंगे। ऑपरेशन लोटस फेल हो गया है। हमारे लिए अब लोकसभा चुनाव प्राथमिकता है। इससे पहले राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करने वाले 6 कांग्रेस विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के बाद धर्मशाला में मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू और बागी विधायक सुधीर शर्मा के समर्थकों में झड़प हो गई थी। उधर, पूर्व सीएम वीरभद्र की पत्नी प्रतिभा सिंह ने विधानसभा स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया की सस्पेंशन की कार्रवाई पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा कि ये फैसला हाईकमान को लेना था। भाजपा ने भी अपने सभी विधायकों से कहा कि वे शिमला में ही रुके रहें। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि अयोग्य ठहराए गए विधायक जाहिर तौर पर हमारे होंगे। अगर प्रतिभा सिंह भाजपा में आती हैं तो उनका स्वागत है।

यूपी की सियासत में एमपी का जोर- सीएम डॉ. मोहन यादव 3 मार्च को पहुंचेंगे लखनऊ, यादव महाकुंभ में होंगे मुख्य अतिथि

यूपी में चल रहा नारा... यादव चला मोहन के साथ

सिटी चीफ

भोपाल। मध्यप्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव एक माह में दूसरी बार यूपी के दौरे पर जाएंगे। सीएम यादव 3 मार्च को लखनऊ में यादव महाकुंभ के आयोजन में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। यह यादव महाकुंभ लखनऊ के बिजनौर रोड स्थित गुडौरा मैदान पर आयोजित होगा। इस दौरान उत्तरप्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए यादव समाज के लोगों को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री यादव वोटर्स को बीजेपी के पाले में लाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसी के चलते यादव समाज बहुतायत वाले राज्यों यूपी और बिहार में सीएम मोहन के दौरे हो रहे हैं। लखनऊ में 3 मार्च को होने वाले यादव महाकुंभ के बैनर पोस्टर्स में लिखा गया नारा सबका ध्यान खींच रहा है। यूपी की राजधानी लखनऊ में लगे पोस्टर्स में लिखा है- श्री राम कृष्ण विरोधियों का छोड़ हाथ- यादव चला मोहन के साथ। पूरे उत्तरप्रदेश के यादव समाज के लोगों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

13 फरवरी को आजमगढ़ का किया था दौरा

13 फरवरी को सीएम मोहन यादव यूपी के आजमगढ़ के दौरे पर गए थे। उन्होंने आजमगढ़ कलस्टर में शामिल 5 लोकसभा सीटों के प्रमुख भाजपा कार्यकर्ताओं,पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। आजमगढ़ कलस्टर की पांच लोकसभा सीटें जिसमें आजमगढ़, लालगंज, मऊ जिले की घोषी और बलिया, सलेमपुर सीटों के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रणनीति पर चर्चा की थी।

यूपी में 20 फीसदी अकेले यादव समाज की

यूपी की ओबीसी आबादी में 20 फीसदी की आबादी अकेले यादव समाज की है। पूरे यूपी में करीब 9 फीसदी यादव वोटर हैं। यूपी की 80 लोकसभा सीटों में से 11 लोकसभाएं ऐसी हैं जहां यादव वोटर्स प्रभावशाली हैं। इटावा, मैनपुरी, बदायूं, फैजाबाद, संत कबीर नगर, बलिया, आजमगढ़, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, जौनपुर इन सीटों पर यादव वोटर्स प्रभावशाली हैं। यूपी के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद पहली बार यूपी में अखिलेश लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। 2022 में 10 अक्टूबर को मुलायम सिंह यादव का निधन हो गया था। उसके बाद यह पहला लोकसभा चुनाव हो रहा है। यूपी की 80 सीटों में से वर्तमान में सपा के मात्र 3 ही लोकसभा सांसद हैं। इनमें से संभल के सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का हाल ही में निधन हो चुका है। मुरादाबाद से डॉ एसटी हसन और मैनपुरी से डिंपल यादव सांसद हैं। अब बीजेपी मोहन यादव के जरिए यादव वोटर्स में सेंध लगाने की रणनीति बना रही है। लोकसभा चुनाव के पहले यादव वोटर्स में सेंधमारी की कोशिशें जारी हैं। लखनऊ में तीन मार्च को होने वाले यादव महाकुंभ के बैनर पोस्टर्स में लिखा गया नारा सबका ध्यान खींच रहा है। यूपी की राजधानी लखनऊ में लगे पोस्टर्स में लिखा है- श्री राम कृष्ण विरोधियों का छोड़ हाथ- यादव चला मोहन के साथ। पूरे उत्तर प्रदेश के यादव समाज के लोगों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

बीजेपी पर ममता का तीखा हमला

'भाजपा सत्ता में आई तो रसोई गैस की कीमत 2000 तक बढ़ जाएगी'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को झारग्राम में एक सभा को संबोधित की। उन्होंने इस दौरान दावा किया कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो रसोई गैस सिलेंडर की कीमत दो हजार तक बढ़ सकती है। ममता ने बताया कि भाजपा आम लोगों को आग के लिए लकड़ियां इकट्ठा करने के लिए मजबूर कर देगी सभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, अगर भाजपा चुनाव जीतती है तो वह रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 1500-2000 तक बढ़ा सकती है। जिसके बाद हम फिर से अपने पूराने दिनों में वापस चले जाएंगे और आग जलाने के लिए लकड़ियां इकट्ठा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अगर अप्रैल अंत तक केंद्र सरकार आवास योजना के तहत घरों का निर्माण पूरा नहीं करती है तो पश्चिम बंगाल सरकार उसे पूरा करेगी। ममता ने बताया कि भाजपा सरकार ने मनरेगा का बकाया भुगतान नहीं किया है। उन्होंने कहा, मैंने एक युवा से पूछा कि क्या आपको 100 दिन के काम की योजना का पैसा मिला? उन्होंने कहा कि उन्हें लगभग 30,000 मिले। ये वो रकम थी जो केंद्र सरकार ने उनके जैसे लोगों को पिछले दो साल से नहीं दी थी। हमने 59 लाख लोगों का बकाया भुगतान किया है। बता दें कि बंगाल में संदेशखाली हिंसा को लेकर भाजपा और टीएमसी के बीच तीखी राजनीतिक लड़ाई जारी है। इस मामले का मुख्य आरोपी टीएमसी नेता शाहजहां शेख की गिरफ्तारी हो चुकी है और पार्टी ने उसे छह साल के लिए सस्पेंड कर दिया है। शाहजहां शेख की गिरफ्तारी पर बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बंगाल के कुछ हिस्सों में गुंडो का बोलबाला है।

अब लक्ष्मण टीला का मामला पहुंचा कोर्ट

लखनऊ। 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद राम मंदिर निर्माण शुरू हो गया है। अब मथुरा, काशी और लक्ष्मण टीला का मुद्दा भी कोर्ट पहुंच चुका है। लखनऊ के पक्का पुल के नीचे से निकली गोमती नदी के ठीक बाएं साइड में एक टीले वाली मस्जिद बनी हुई है। इसको हिन्दू पक्ष ने लक्ष्मण का टीला बताते हुए अपना हक मांगा है। अब यह मामला कोर्ट में पहुंच चुका है। एडीजे प्रथम की कोर्ट में मुस्लिम पक्ष को तगड़ा झटका दे दिया है। मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुनवाई करते हुए रिवीजन याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष का मुकदमा चलने योग्य माना है। अब निचली अदालत में इनका मुकदमा चलेगा। वहीं कोर्ट के फैसले को हिंदू पक्ष अपनी जीत होने का दावा कर रहा है। टीले वाली मस्जिद बनाम लक्ष्मण टीला का मुकदमा साल 2013 से कोर्ट में चल रहा है। हिंदू पक्ष के पक्षकार वकील नपेंद्र पांडेय ने कहा कि जिसे मुस्लिम पक्ष टीले वाली मस्जिद कहता है वो हकीकत में लक्ष्मण का टीला है। उन्होंने कहा कि शेषनाग अवतारी भगवान श्रीराम के अनुज लक्ष्मण जी द्वारा शहर को बसाया गया था। उन्हीं के उसपर गोमती नदी के किनारे एक टीला था। पक्षकार ने बताया कि औरंगजेब के जमाने में लक्ष्मण टीला को ध्वस्त कर किया गया था। औरंगजेब ने पहले राम जी के मंदिर को ध्वस्त किया फिर यहाँ लक्ष्मण टीले को ध्वस्त किया था। औरंगजेब ने लक्ष्मण टीला को ध्वस्त करके एक मस्जिद बना दी थी।

इंदौर अभिभाषक संघ के चुनाव आज

11 पदों के लिए 37 वकील मैदान में...

सिटी चीफ

इंदौर। इंदौर बार एसोसिएशन के चुनाव शुक्रवार को जिला न्यायालय परिसर में होंगे। कुल 11 पदों के लिए कई पूर्व पदधारकों सहित 37 उम्मीदवार मैदान में हैं। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष पद तथा कार्यकारिणी सदस्य के छह पदों के लिए चुनाव होंगे. कुल 11 पदों के लिए 37 उम्मीदवार मैदान में हैं. अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए पांच-पांच लोग चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें एक महिला, सचिव के लिए तीन और कोषाध्यक्ष के लिए दो लोग शामिल हैं। संयुक्त सचिव पद के लिए सात उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि कार्यकारिणी के कुल छह पदों के लिए 15 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें चार महिलाएं और 11 पुरुष शामिल हैं. अध्यक्ष पद के दावेदार गोपाल कचोलिया सेवानिवृत्त अध्यक्ष रहे हैं। वह छह बार सचिव भी रह चुके हैं और अब तक कुल 10 चुनाव जीत चुके हैं। इसी पद के अन्य दावेदार सुनील कुमार चौधरी और सुरेंद्र कुमार वर्मा भी पूर्व में अध्यक्ष रह चुके हैं. गुरुवार को सभी दावेदार सुबह से रात तक प्रचार में सक्रिय रहे और वकीलों के चैंबर में जाकर वोट की अपील भी की।

मौसम में बदलाव: मौसमी चक्र से गुजर रहा देश, तापमान बढ़ोतरी का ट्रेंड जारी रहेगा

इस बार 25 मार्च के बाद से ही देखने को मिलेगा लू का असर

नई दिल्ली। देश में इस बार गर्मी के मौसम की शुरुआत जल्द होने जा रही है। होली (25 मार्च) के बाद से ही उत्तर और मध्य क्षेत्रों के कई राज्यों में लू का असर देखने को मिल सकता है। अभी से ही दक्षिण भारत के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल रही हैं। ये बढ़ोतरी पिछले दो हफ्ते से हो रही है। हालात ये है कि दक्षिण भारत के सभी राज्यों से महाराष्ट्र और ओडिशा तक दिन का तापमान 4-6 डिग्री तक ज्यादा यानी 33 डिग्री से ऊपर दर्ज हो रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछले दो वर्षों से फरवरी के तीसरे हफ्ते से तापमान बढ़ने का ट्रेंड दिख रहा है। लेकिन इस बार तापमान में बढ़ोतरी फरवरी के पहले हफ्ते से ही होने लगी थी।

यह कह रहे मौसम वैज्ञानिक

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 2023 में तीन मार्च से दक्षिण भारत में लू की शुरूआत हुई थी, जो मई के तीसरे हफ्ते तक रही थी। वहीं 2022 में 11 मार्च से लू शुरू हुई थी, जो जून के पहले हफ्ते तक जारी थी। पिछले दो वर्षों से उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में प्री मानसून सीजन में तापमान बढ़ोतरी को जो ट्रेंड है, वह इस बार भी जारी रह सकता है। देश फिलहाल मौसमी चक्र से गुजर रहा है, जब सर्दी खत्म होते ही बिना वसंत के सीधे गर्मी आ रही है। अल नीनो के कारण प्रशांत महासागर ही नहीं, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर दोनां की सतह का तापमान बीते एक वर्ष से सामान्य की तुलना में ज्यादा है। मौसम विभागों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ सामान्य रूप से अक्तूबर से फरवरी के दौरान ही आते हैं। इनकी सक्रियता से पहाड़ों पर बर्फबारी व उत्तर से लेकर मध्य भारत तक मैदानी इलाकों में झमाझम बारिश होती है। हालांकि इस बार 21 पश्चिमी विक्षोभ अक्तूबर से जनवरी के बीच ही आ गए हैं। इनमें से महज केवल चार ही सक्रिय रहे। इस मौसमी तंत्र के कारण उत्तर भारत ही नहीं, बल्कि मध्य भारत में बारिश हुई।

तापमान में बदलाव से खेती होगी प्रभावित

देश में गर्मी बढ़ने के साथ तापमान में बदलाव होगा, जिससे खेती का कार्य प्रभावित होगा। इससे खाद्य कमी की समस्या भी हो सकती है। जलवायु परिवर्तन एवं अल नीनो के प्रभाव से यह समस्या उत्पन्न होने की आशंका विश्व मौसम संस्थान (डब्ल्यूएमओ) ने प्रकट की है। जिन इलाकों में हीट वेव अर्थात ग्रीष्म प्रवाह होता है, वहां इसका सर्वाधिक प्रभाव देखा जाएगा। विश्व मौसम वैज्ञानिक संस्थान के साथ अमेरिकी अनुसंधान संस्था नासा के वैज्ञानिकों ने भी 2024 में मौसम की स्थिति को लेकर सतर्कता जारी किया है। 2016 की तुलना में 2023 सबसे गर्म वर्ष रहा है और 2024 में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ने की जानकारी नासा की तरफ से दी गई है। संस्थान का कहना है कि जलवायु परिवर्तन एवं अल नीनो के प्रभाव से विश्व में इस तरह की स्थिति बन रही है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान समय में अल नीनो सक्रिय है। इसके प्रभाव से ही तापमान में बढ़ोत्तरी जैसे परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। यह अगले वर्ष अप्रैल महीने तक सक्रिय रहने का 90 फीसदी अनुमान है। अल नीनो बनने के कारण पिछला मानसून भी प्रभावित हुआ है।

बुजुर्ग को नहीं मिली थी व्हीलचेयर, एयर इंडिया पर 30 लाख जुर्माना

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 80 वर्षीय एक यात्री को व्हीलचेयर उपलब्ध नहीं कराने के मामले में एयर इंडिया पर 30 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। 80 वर्षीय एक यात्री को एयरलाइन की ओर से व्हीलचेयर उपलब्ध नहीं कराया गया था, जिसके बाद उन्हें हवाई जहाज से एयरपोर्ट टर्मिनल तक पैदल जाना पड़ा। इस दौरान वे गिर पड़े थे और उनकी मौत हो गई थी। 80 साल के बुजुर्ग की मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल पर मौत हो गई थी। गुरुवार को डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने इस मामले में एअर इंडिया पर 30 लाख का जुर्माना लगाया है। दरअसल, बुजुर्ग ने व्हीलचेयर की डिमांड की थी, जो एअर इंडिया ने पूरी नहीं की। पैदल चलकर जाने के कारण बुजुर्ग को हार्ट अटैक आया, जिससे उनकी मौत हो गई। इसकी जानकारी एयरलाइंस ने 16 फरवरी को दी थी।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

अधूरे मार्ग और शहर से दूरी के कारण शुरू नहीं हो सका इंदौर का नायता मुंडला बस स्टैंड

नायता मुंडला बस स्टैंड की शुरुआत 16 फरवरी से होनी थी। शुरुआत में नौलखा और तीन इमली बस स्टैंड की बसों को यहां स्थानांतरित किया जाना था। इसे लेकर बस आपरेटर विरोध कर रहे हैं। अधूरे पहुंच मार्ग और शहर से दूरी की वजह से प्रशासन भी अब तक नायता मुंडला बस स्टैंड को शुरू नहीं करा पाया।इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) द्वारा करोड़ों की लागत से नायता मुंडला में बस स्टैंड का निर्माण किया गया है। तीन माह से बस स्टैंड पूरी तरह से तैयार है। इसके बाद भी अब तक यहां से बसों का संचालन शुरू नहीं हो पाया। प्रशासन ने तीन इमली और नौलखा बस स्टैंड की बसों को यहां से चलाने की योजना तैयार की थी। बस आपरेटरों से कई दौर की चर्चा के बाद भी आपसी सहमति नहीं बन पाई। बस संचालकों का कहना था कि यात्रियों के आने-जाने के लिए लोकल साधनों की उचित व्यवस्था नहीं है। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से आने पर यात्रियों को 250 से 300 रुपये आटो किराया चुकाना पड़ता।

कोर्ट पहुंच गए आपरेटर

नौलखा और तीन इमली बस स्टैंड के बस आपरेटर नायता मुंडला बसों को स्थानांतरित करने को लेकर कोर्ट पहुंच गए। कोर्ट में प्रकरण होने से प्रशासन ने भी स्थानांतरण की कवायद को रोक दिया। प्रशासनिक अधिकारी अब अप्रोच रोड सुधारने और लोक परिवहन वाहनों की सुविधा जुटाने के बाद बसों को स्थानांतरित करने की बात कह रहे हैं।

लोकसभा चुनाव के बाद होगा निर्णय

सूत्रों का कहना है कि मार्च के पहले या दूसरे सप्ताह में लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होना है। ऐसे में बस स्टैंड के संचालन का निर्णय लोकसभा चुनाव के बाद हो सकता है। इस दौरान एमआर-10 स्थित आइएसबीटी का निर्माण भी पूरा हो जाएगा। प्रशासन दोनों बस स्टैंड को एक साथ शुरू करेगा, ताकि एक साथ सभी बसों को दोनों बस स्टैंड पर स्थानांतरित किया जा सके।

अंतरराज्जीय बसों भी होगी स्थानांतरित

शहर के विभिन्न हिस्सों से संचालित होने वाली अंतरराज्जीय बसों को भी दोनों बस स्टैंड पर स्थानांतरित किया जाएगा। महाराष्ट्र और गुजरात क्षेत्र की बसें नायता मुंडला और राजस्थान, दिल्ली क्षेत्र की बसें एमआर-10 स्थित बस स्टैंड से चलेगी। सरवटे और तीन इमली बस स्टैंड से उपनगरीय बसों का संचालन होगा।

अप्रैल तक इंदौर-पातालपानी तक जुड़ जाएगी रेल कनेक्टिविटी

महू-पातालपानी रेल खंड का काम अंतिम दौर में है। मार्च माह में इस 4.5 किमी रेल खंड का सीआरएस होगा। इसके बाद अप्रैल से इंदौर से पातालपानी तक रेल कनेक्टीविटी जुड़ जाएगी। बता दें कि गत वर्ष राऊ-महू (9.5 किमी) दोहरीकरण प्रोजेक्ट में एक लाइन को पातालपानी तक बढ़ा दिया गया था। इसके बाद अर्थवर्क, पुलिया, पुल निर्माण कार्य शुरू हुआ था। इस रेल खंड में आने वाले भगोरा-चौरडिया रेलवे फाटक को खत्म कर यहां आरओबी बनाया जा रहा है। इस खंड में 6 पुल-पुलिया बनाई जा रही है। रेल अफसरों के अनुसार, यह खंड पूरा होने के बाद हेरिटेज ट्रेन के लिए इंदौर से ही ब्राडगेज ट्रेन उपलब्ध रहेगी। महू-पातालपानी के बीच 4.5 किमी के इस प्रोजेक्ट के तहत महू रेलवे स्टेशन के यार्ड के आगे बंडा बस्ती से पातालपानी स्टेशन की ओर ब्राडगेज लाइन के लिए अर्थ वर्क गत वर्ष शुरू किया गया था। रेल अफसरों के अनुसार बड़ा बस्ती के आगे एक पुलिया निर्माण अंतिम दौर में है। इसके साथ ही गुराड़िया के पास भी ब्रिज का काम लगभग पूरा हो गया है। 4 मीटर ऊंचे और 25 मीटर लंबे इस ब्रिज में एक पिलर पर दो गर्डर डाली जाना है। इसके साथ भगोरा-चौरड़िया के बीच रेल फाटक-262 को खत्म कर दिया जाएगा। यहां पर आरओबी बनाया जा रहा है, ताकि वाहन बिना रूके सीधे निकल सके। पातालपानी स्टेशन के ठीक पहले भी एक माइनर ब्रिज का काम लगभग पूरा हो चुका है।

ब्राडगेज ट्रेन पहुंच सकेंगे पातालपानी

रेल अफसरों की माने तो अगले सीजन में यानी अगस्त माह में पर्यटक पातालपानी स्टेशन तक ब्राडगेज ट्रेन से जा सकेंगे। पातालपानी में ब्रॉडगेज के लिहाज से नई स्टेशन बिल्डिंग बनाई जाएगी। यहां से खंडवा के लिए बढिया़ गांव की ओर लाइन डायवर्ड हो जाएगी।

सफलतम सर्जरियां कर सरकारी अस्पताल होने की छवि को बदल रहा सुपर स्पेशिएलिटी

एमजीएम मेडिकल कालेज के सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में इलाज की आधुनिक तकनीकों से मरीजों का इलाज किया जा रहा है। यहां प्रदेशभर से आने वाले मरीजों को आयुष्मान योजना और कम दर में इलाज मिल रहा है। अस्पताल के सीटीवीएस विभाग में ओपन हार्ट सर्जरी अप्रैल 2023 से शुरू हुई थी। इसका लाभ गरीब और जरूरतमंद मरीजों को मिल रहा है।विभागाध्यक्ष डा. सुमित प्रताप सिंह ने बताया कि 11 माह में 100 से अधिक सफल हार्ट सर्जरी की जा चुकी हैं। जिनमें बायपास सर्जरी, हार्ट वाल्व के आपरेशन एवं हृदय संबंधी जन्मजात बीमारियों के आपरेशन शामिल हैं। डा. पीयूष गुप्ता ने बताया कि कई मरीजों की टीएआर (टोटल आरटेरियल रिपेयर) बायपास सर्जरी भी की जा चुकी है, जिसमें छाती की नसों, हाथ की नसों का प्रयोग करके बायपास किया गया। यह बायपास सर्जरी की एक नवीन पद्धति है। डा. अंकुर गोयल ने बताया कि हार्ट सर्जरी के अलावा फेफड़ों के भी 200 से अधिक सफल आपरेशन किए गए हैं।

इंदौर में 350 करोड़ की लागत से बन रहा ईएसआइसी अस्पताल, तीन माह में हो सकता है शुरू

सिटी चीफ इन्दौर

शहर को जल्द ही आधुनिक सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल की सौगात मिलने वाली है। नंदानगर क्षेत्र में स्थित राज्य कर्मचारी बीमा निगम के अस्पताल की नई बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई है। इससे अब मरीजों को इलाज में बेहतर सुविधाएं मिलने लगेंगी। अधिकारियों ने दावा किया कि तीन माह में अस्पताल नई बिल्डिंग में संचालित होना शुरू हो जाएगा। अस्पताल को सीटी, एमआरआइ स्कैन, डायलिसिस मशीनों और अन्य चीजों जैसी आधुनिक सुविधाओं के साथ नई 500 बिस्तर क्षमता वाली इमारत में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।इमारत का सिविल कार्य लगभग पूरा हो चुका है और वर्तमान में अंतिम चरण का कार्य चल रहा है। अस्पताल के लिए 350 करोड़ रुपये केंद्र सरकार की ओर से मंजूर हुए हैं। वहीं इसका निर्माण कार्य वर्ष 2021 में शुरू हुआ था। अस्पताल के शुरू हो जाने से राज्य कर्मचारी बीमा निगम संबंधित मरीजों की बीमारियों का इलाज यहीं हो पाएगा। अभी कई मरीजों को अन्य अस्पतालों में रेफर किया जाता है। मिलेंगी आधुनिक चिकित्सा

सुविधाएंबता दें कि अस्पताल का काम तेजी से चल रहा है। वर्षा के दिनों में भी इसका निर्माण कार्य रोका नहीं गया। इस अस्पताल को सुपर स्पेशिएलिटी की तर्ज पर बनाया जा रहा है। इसमें आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के तमाम साधन और सुविधाएं मरीजों को मिलेगी। अस्पताल में मरीजों की एमआरआइ, सीटी स्कैन जैसी अन्य महंगी जांचें भी हो सकेंगी। अभी तक कई जांच निजी अस्पतालों में बीमा अस्पताल द्वारा करवाई जाती थी। इसके चलते लाखों रुपये का भुगतान निजी अस्पतालों को करना पड़ता था, वहीं अस्पताल बन जाने के बाद जांच के साथ ही गंभीर बीमारियों का इलाज भी मिल सकेगा।

छह मंजिला होगा अस्पताल

करीब छह लाख वर्गफीट में निर्माण किया जा रहा अस्पताल छह मंजिला होगा। अस्पताल में मरीजों के इलाज के दौरान उनके स्वजन भी ठहर सकेंगे। मरीजों के साथ स्वजन को भी भोजन की सुविधा मिलेगी। इसके लिए माडर्न किचन भी तैयार किया जा रहा है।

बंगाली चौराहे से पिपल्याहाना होते हुए एमवाय अस्पताल मार्ग से चलाई जाए मेट्रो

सिटी चीफ इन्दौर

शहर में निर्माणाधीन मेट्रो को बंगाली चौराहे से पिपल्याहाना चौराहा, कृषि कालेज होते हुए एमवाय अस्पताल रूट से चलाने का प्रस्ताव लेकर सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि नए कोर्ट भवन और एमवाय अस्पताल जाने वालों के लिए यह रूट बेहतर रहेगा। वहीं एमजी रोड जैसे व्यस्ततम मार्ग को अंडरग्राउंड खोदाई के लिए बंद करने की आवश्यकता भी नहीं होगी। पितृ पर्वत पर सामाजिक संस्थाओं का प्रतिनिधिमंडल ने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को मेट्रो को लेकर ज्ञापन सौंपा। सामाजिक कार्यकर्ता इंजीनियर अतुल सेठ ने बताया कि बंगाली चौराहा से मेट्रो शहर की तरफ मुड़कर पत्रकार चौराहा, पलासिया चौराहा होते हुए हाई कोर्ट से अंडरग्राउंड होगी और एयरपोर्ट तक जाएगी। एमजी रोड पर इंद्रप्रस्थ टावर के आगे ओपन खोदाई से लंबे समय तक मार्ग बंद रहेगा। इससे आमजन को असुविधा होगी। मेट्रो का रूट

बंगाली चौराहा से बढ़ाकर पिपल्याहाना चौराहे से एमवाय अस्पताल होते हुए सरवटे और रेलवे स्टेशन वाले रोड पर बनाया जाए। इससे अधिक लोगों को लाभ होगा और निर्माण में भी परेशानी नहीं आएगी। विजयवर्गीय ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को सुनने के बाद परीक्षण कराने का आश्वासन दिया। इस मौके पर अजीत सिंह नारंग और वीके गुप्ता ने इंदौर के योग्य मास्टर प्लान बनाने का निवेदन किया। प्रतिनिधिमंडल में अभ्यास मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता, शिवाजी मोहिते, शफी शेख, इंदौर उत्थान अभियान के अजीत सिंह नारंग, वीके गुप्ता, सानंद न्यास के निवास कुटुंबले, सेवा सुरभि के ओमप्रकाश नरेडा आदि उपस्थित थे।

इंदौर की जेल में बंद छात्रा के आपत्तिजनक फोटो वायरल, युवक-युवती पर केस

सिटी चीफ इन्दौर

एमजी रोड पुलिस ने एक छात्रा की शिकायत पर छतरपुर के युवक-युवती के विरुद्ध एफआइआर दर्ज की है। युवती फिलहाल जेल में है। आरोपितों ने उसके आपत्तिजनक फोटो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित कर दिए थे।पुलिस के मुताबिक मूलत: सागर निवासी 19 वर्षीय युवती चिमनबाग चौराहा के समीप होस्टल में रहती थी। उसकी छतरपुर निवासी प्रतीक जैन से दोस्ती थी। प्रतीक उसको आनलाइन रुपये भी देता था।

दोनों में विवाद हुआ और पिछले साल फरवरी में प्रतीक ने आत्महत्या कर ली। स्वजन ने युवती के खिलाफ एफआइआर दर्ज करवा दी। इसी बीच प्रतीक के भाई प्रथम जैन को युवती के आपत्तिजनक फोटो मिल गए। उसने दोस्त काव्या की सहायता से इंटरनेट

मीडिया पर वायरल कर दिए। युवती ने पिछले साल सितंबर में क्राइम ब्रांच को शिकायत दर्ज करवाई। दिसंबर में युवती की गिरफ्तारी हो गई। इस बीच पुलिस ने जांच की और बुधवार को युवती की शिकायत पर प्रथम व काव्या के खिलाफ एफआइआर दर्ज कर ली।

इंदौर में रात के तापमान में बढ़ोतरी

पारा 18 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा, बढ़ी गर्मी

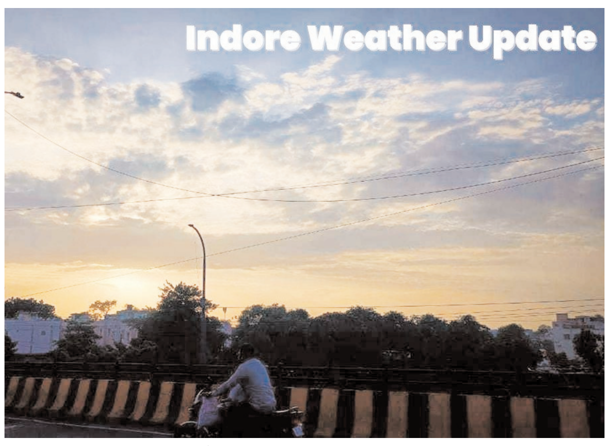

सिटी चीफ इन्दौर

शुक्रवार को दक्षिण पूर्वी दिशा से हवा चलने लगी है। पड़ौसी राज्यों और आसपास के इलाकों में बरसात का असर दिख रहा है। मालवा क्षेत्र में मौसम का मिजाज बदल गया है। ठंड कम महसूस हो रही है। गुरुवार रात को न्यूनतम तापमान फिर बढ़ गया।बीते 24 घंटे में रात का तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस का अंतर रहा। अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस है, जो सामान्य से दो डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक रहा। अलसुबह दृश्यता सात हजार मीटर तक रही। हवा की रफ्तार 14 किमी प्रतिघंटा रही। मौसम विभाग के मुताबिक मौसम दो से तीन दिन ऐसा ही बना रहेगा।

आज का तापमान

शहर में गुरुवार को दक्षिण-दक्षिण पश्चिम से हवा चली। दिनभर धूप निकलने से मौसम का मिजाज बदल गया। 24 घंटे में अधिकतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस का अंतर दिखा। अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। न्यूनतम तापमान 17.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक था।

इंदौर के मल्हाराश्रम में आकार ले रहा प्रदेश का दूसरा सीएम राइज माडल-7 स्कूल

सिटी चीफ इन्दौर

राज्य सरकार अब सीएम राइज स्कूलों का विस्तार करने जा रही है। इसकी शुरुआत इंदौर और ग्वालियर से की गई है। यहां प्रदेश के सबसे ज्यादा विद्यार्थी क्षमता वाले स्कूल तैयार किए जा रहे हैं। इंदौर के मल्हाराश्रम स्कूल में सीएम राइज माडल-7 स्कूल बनाया जा रहा है। यहां एक छत के नीचे एक साथ सात हजार विद्यार्थी पढ़ाई करेंगे।हालांकि प्रोजेक्ट पूरा होने में आगामी वर्ष तक का समय लगेगा। इधर, स्कूल प्रबंधन के साथ सबसे बड़ी अड़चन अतिक्रमण है, जिसे हटाना सबसे बड़ी चुनौती है। बता दे कि मल्हाराश्रम स्कूल पहले से सुपर 100 और सीएम राइस स्कूल प्रोजेक्ट में शामिल है। यहां पढ़ रहे विद्यार्थियों को निजी कोचिंग तक की सुविधाएं दी जा रही हैं। मल्हाराश्रम में सीएम राइज माडल-7 प्रोजेक्ट 2021 में बनाया गया था। इसका काम 2022 में शुरू हुआ। माडल-7 प्रोजेक्ट इंदौर के अलावा ग्वालियर में भी आकार ले रहा है। प्रोजेक्ट पूरा होने पर यहां एक साथ सात हजार विद्यार्थी शिक्षा ले सकेंगे। मल्हाराश्रम के 33.8 एकड़ में बन रहे इस प्रोजेक्ट में फिलहाल तीन भवन का काम चल रहा है। स्कूल प्राचार्य महेंद्र रामिश ने बताया कि जैसे-जैसे भवन बनते जाएंगे, विद्यार्थियों की संख्या बढ़ती जाएगी। नए शिक्षा सत्र में करीब 300 विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। पूरा परिसर पांच जोन में रहेगा, जिसमें आडिटोरियम, प्ले एरिया, एजुकेशन जोन, सेल्फ

डिफेंस, मल्टीपरपस हाल बनेगा। इसके साथ यहां पर अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्विमिंग पूल, स्पोर्ट्स हाल, प्ले फील्ड्स, कम्युनिटी हाल आदि भी बनाए जाएंगे।

अतिक्रमण हटाना चुनौती

एक ओर जहां प्रोजेक्ट ने आकार लेना शुरू कर दिया है। वहीं स्कूल की जमीन पर 10 पाइंट ऐसे हैं, जहां पर अतिक्रमण हो चुका है। लंबे समय पर स्कूल प्रशासन इस अतिक्रमण को हटाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन अतिक्रमणकारी दबाव बना रहे हैं। यहां बाउंड्रीवाल के आस-पास किसी ने घर बना लिया, कहीं शेड बन गया है। एक जगह किसान संगठन का कार्यालय खुल गया है। तो कहीं बाउंड्रीवाल तोड़कर घर बना लिया है।

1052 विद्यार्थी अध्ययनरत

सीएम राइज स्कूल में वर्तमान में 1052 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिसमें करीब 300 सुपर 100 योजना के तहत होस्टल में रहकर पढ़ रहे हैं। इस विद्यार्थियों के लिए निजी कोचिंग क्लास की सुविधा भी दी गई है।

शिक्षकों के लिए 160 मकान

नवोदय विद्यालय की तर्ज पर कैंपस में 24 घंटे शिक्षकों की उपलब्धता के लिए 160 आवास बनाए जाने हैं, जो पीछे की ओर बनेंगे। जरूरत पड़ने पर विद्यार्थी शिक्षकों से जुड़े रहें।

इंडस्ट्री ग्रेड का कच्चा माल कागज पर, बताया फार्मा ग्रेड का

सिटी चीफ इन्दौर

खांसी की दवा (कफ सिरप) पर केंद्र के अलर्ट के बाद अब इंदौर में दिसंबर में शुरू हुई जांच अब भी जारी है। जांच दवा कंपनियों से शुरू होकर अब कच्चा माल बेचने वाले ट्रेडर्स तक पहुंच गई है। सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाइजेशन (सीडीएसओ) के अधिकारियों ने इंदौर में कम से कम 20 दवा कंपनियों में दिसंबर-जनवरी में जांच की थी। उन कंपनियों के बाद चेन तलाशते हुए करीब दस डीलरों तक भी जांच टीम पहुंची है। इनके यहां से दवा कंपनियों को कच्चा माल बीते वर्षों में सप्लाई हुआ था। संकेत मिले हैं कि कुछ डीलरों ने माल की गुणवत्ता में हेरफेर किया था।अफ्रीकी देशों में भारतीय कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामलों के बाद सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल आर्गेनाइजेशन (सीडीएसओ) ने दिसंबर में दिए थे। दवा में अमानक यानी औषधि नियामक के उलट सामान्य रूप से बाजार में उपलब्ध इन तत्वों का उपयोग किए जाने के आरोपों के

बाद जांच हुई थी। दरअसल, ये तीनों तत्व अन्य उद्योगों में भी उपयोग होते हैं। ग्लिसरीन कास्मेटिक उद्योग से लेकर शराब उद्योग में उपयोग होता है। सारबिटाल मिठास के लिए कन्फेक्शनरी व अन्य खाद्य उद्योगों में इस्तेमाल होता है। दवा के मानक के अनुसार दवा बनाने में काम में आने वाली वस्तुएं इंडियन, ब्रिटिश या यूएस फार्माकोपिया (आइपी, बीपी या यूएसपी) ग्रेड की होना चाहिए। इन मानकों का पालन हो तो ये सभी तत्व ज्यादा परिष्कृत, शुद्ध और मानव हाथों से अनछुए होने चाहिए। लिहाजा आइपी या बीपी ग्रेड के कच्चे माल की कीमत भी ज्यादा होती है। कंपनियों से कफ सिरप में इस्तेमाल हो रहे कच्चे माल (एपीआइ) का रिकार्ड लिया गया था। उस रिकार्ड से चेन खंगालते हुए अधिकारी सप्लायरों के यहां पहुंचे। सूत्रों के अनुसार, दवा कंपनियों को माल आपूर्ति करने वाले इंदौर के कुछ ट्रेडर्स ने बीते वर्षों में औद्योगिक कच्चे माले को दवा के ग्रेड का बताकर सप्लाय किया था। औषधि प्रशासन विभाग अब पुराने बिलों के आधार पर आपूर्ति के आंकड़ों का मिलान कर रहा है। इस दौरान कुछ सबूत भी हाथ लगें हैं। दरअसल, पुराने बिलों की जांच की जा रही है। इसमें पता चला है कि कच्चे माल के सप्लायरों ने खरीदा तो इंडस्ट्री ग्रेड कच्चा माल था, लेकिन आपूर्ति आइपी-बीपी ग्रेड माल की बताई। यानी इन्होंने कागज पर कच्चे माल की ग्रेड बदल दी। हालांकि अभी विभाग के अधिकारी इस मामले पर कुछ भी नहीं बोल रहे हैं। इंडस्ट्री के सूत्रों के अनुसार सीडीएसओ बीते दिनों इंदौर की एक दवा कंपनी को बंद करवा चुका है। कच्चे माल की आपूर्ति में गड़बड़ी के तथ्य साबित होने के बाद अब कार्रवाई के दायरे में सप्लायर भी आ सकते हैं।

कोविड से बढ़ा चलन

सप्लायरों ने ज्यादा मुनाफे के लिए ग्रेड में हेरफेर किया। दरअसल इंडस्ट्री ग्रेड का कच्चा माल सस्ता होता है, जबकि फार्मा ग्रेड का महंगा। कोविड के दौरान कच्चे माल के दाम ज्यादा उछले। चीन से आपूर्ति भी बाधित हुई। इस दौरान कई आपूर्तिकर्ताओं ने इंडस्ट्री ग्रेड के माल को आइपी का लेबल लगाकर दवा कंपनियों को दे दिया। इसमें कुछ सप्लायर ऐसे हैं जिन्होंने कास्मेटिक निर्माण के काम आने वाला ग्लिसरीन ही कफ सिरप के लिए दिया। दवा कंपनियों ने भी इसी माल से दवा का निर्माण किया।

तोता पकड़ने की शरारत में आठ साल के बालक का हुआ यह हाल, तीन घंटे तक चला रेस्क्यू

सिटी चीफ भोपाल

बोरिंग के गड्ढे में ब'चों के गिर जाने की खबर माह एक-दो माह में सामने आती रहती हैं। उधर रायसेन जिले के करमोदी गांव में आठ साल के बालक ने तोता पकड़ने के लिए पेड़ में बनी कोटर में हाथ डाल दिया। उसका हाथ बुरी तरह फंस गया। बचाव के लिए मदद की पुकार पास के स्कूल में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों तक पहुंची। उसके बाद पेड़ के उस हिस्से को सावधानी से काटना शुरू किया। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद बालक का हाथ सुरक्षित बाहर निकला जा सका। इस बीच रास्ता मिलने ही तोता फुर्र से उड़ भी गया।

शरारती है बालक

करमोदी निवासी श्रीरामसिंह का आठ वर्ष का बेटा समर काफी शरारती है। रोजाना की तरह 21 फरवरी को दोपहर में वह गांव में खेल रहा था, तभी उसने वहां लगे सागौन के पेड़ में करीब पांच फीट की ऊंचाई पर बने गड्ढे (कोटर) में एक खूबसूरत तोते को अंदर घुसते हुए देख लिया था। बस फिर क्या था, समर ने एक पत्थर पेड़ के तने के पास रखा और तोते को पकड़ने लिए दाहिना हाथ पूरी तरह कोटर के अंदर डाल दिया। तोता तो अंदर कहीं दुबक गया और समर का हाथ कोटर में फंसकर रह गया। काफी कोशिश करने के बाद भी जब हाथ बाहर नहीं निकल सका, तो समर ने मदद के लिए शोर मचाना शुरू कर दिया। पास में शासकीय कालेज गैरतगंज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का शिविर लगा हुआ था। बालक की पुकार सुनकर प्रोफसर एवं छात्रों के अलावा ग्रामीण और समर के पिता श्रीराम और चाचा शिवपूजन भी वहां पहुंच गए थे। पेड़ काटने के अलावा कोई विकल्प नहीं था

रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी डा. प्रभात दुबे ने बताया कि मौके पर मौजूद लोगों ने कोटर में तेल आदि डालकर बालक का हाथ निकालने की काफी कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसके बाद बालक के पिता ने पहले कुल्हाड़ी से पेड़ काटना शुरू किया। इसके बाद चाचा शिवपूजन ने कचक से धीरे-धीरे हाथ के आसपास पेड़ की लकड़ी काटना शुरू की। उधर इस बीच चुपचाप दुबके पड़े तोताराम को रास्ता मिल गया। वह फुर्ती से लोगों के बीच से फुर्र भी हो गया। उधर करीब तीन घंटे बाद बालक का हाथ सकुशल बाहर निकला, तो सबने राहत की सांस ली।

भागवत कथा सुनने से दूर हो जाते हैं जीवन के तमाम दुख-दर्द - अनिरुद्धाचार्य जी महाराज

सिटी चीफ भोपाल

राजधानी के केंद्रीय जेल में बंदियों व जेल के कर्मचारियों के लिए श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को दूसरे दिन सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि भगवान की कथाएं नित्य सुनना चाहिए। भगवान की कथा सुनने से जीवन के दुख दूर होते हैं। इंद्रियों को वश में रखना चाहिए। कलयुग के स्थान हैं जुआ, शराब, चरित्रहीनता, मांस, बेईमानी से कमाया हुआ धन। इनसे दूर रहना चाहिए।सुनाया शुकदेव-परीक्षित प्रसंग अनिरुद्धाचार्य महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण मात्र से प्राणी न केवल मोक्ष को प्राप्त करता है, वरन् मृत्यु के भय से भी निर्भय हो जाता है। यही कारण है कि मानव जीवन में भागवत कथा का सर्वाधिक महत्व है। महाराज ने आचार्य शुकदेव और राजा परीक्षित के बीच हुए संवाद पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब राजा परीक्षित कोतक्षक नाग द्वारा डसने से होने वाली मृत्यु के बारे में जानकारी मिली तो वे शुकदेव मुनि की शरण में गए और उनसे अपनी मुक्ति का मार्ग पूछा। जब शुकदेव जी ने बताया कि सात दिन के भीतर राजा की मृत्यु तक्षक नाग के डसने से होगी। श्रीमद्भागवत श्रवण से मृत्यु का यह भय मिट जाएगा।

ऐसे दूर हुआ मृत्यु का भय

इस पर राजा ने उन्हीं से विनती की और सात दिन तक भागवत कथा का श्रवण किया। हुआ भी यही कि कथा के अंतिम अध्याय तक पहुंचते-पहुंचते राजा के मन से मौत का भय निकल गया। अंत में राजा ने निर्भीक होकर कहा कि मैं कभी नहीं मरूंगा। मरेगा तो केवल मेरा शरीर, आत्मा तो अमर है। अनिरुद्धाचार्य जी ने भगवान श्रीकृष्ण की बरसाने की राजकुमारी राधाजी के जीवनवृत्त और उनके द्वारा की गई श्रीकृष्ण की प्रेममयी भक्ति के बारे में भी विस्तार से समझाया।

कलेक्टर गाइडलाइन के प्रस्ताव पर बनी सहमति तो कुछ इलाकों में 95 प्रतिशत तक महंगी हो जाएंगी प्रापर्टी

सिटी चीफ भोपाल

पंजीयन विभाग द्वारा तैयार की गई वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रस्तावित कलेक्टर गाइडलाइन पर यदि सहमति बनती है तो शहर में प्रापर्टी 22 से 95 प्रतिशत तक महंगी हो जाएगी। दरअसल विभाग द्वारा गुरुवार को भोपाल एनआइसी की वेबसाइट पर जब प्रस्तावित दरें अपलोड की गईं तो यह सामने आया है। इनमें नये शहर के विभिन्न स्थानों पर प्रापर्टी की दरों में अत्यधिक वृद्धि की गई है।शहर के वार्ड 52, 61 और 85 में आने वाले नर्मदापुरम रोड, विद्या नगर, खजूरी कलां, कटारा, प्रभात, गुरुनानकपुरा क्षेत्र में 22 से 95 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी प्रस्तावित की गई है। सबसे अधिक दरें विद्या नगर और कोरल वुड रोड पर करीब 95 प्रतिशत प्रस्तावित है। पुरानी विधानसभा क्षेत्र में भी व्यावसायिक के दाम दोगुना कर दिए हैं। इसके अलावा गुलमोहर से आकृति इको सिटी तक मुख्य मार्ग पर 60 प्रतिशत, कान्हा गृह निर्माण सहकारी समिति विशिष्ट ग्राम मिसरोद में 55 प्रतिशत, अंहिसा विहार के सभी फेस एवं सेक्टर में 50 और खजूरी कलां सड़क से अंदर 55 प्रतिशत दरें बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया है। खासबात यह है कि जहां भी दरें बढ़ाई गई हैं, वहां पर फोर-सिक्सलेन रोड का निर्माण होना है या हाउसिंग बोर्ड व बीडीए के बड़े प्राजेक्ट चल रहे हैं। आपत्ति देने के लिए बचे सिर्फ तीन दिन नई गाइडलाइन के प्रस्ताव पर पंजीयन विभाग द्वारा लोगों से तीन मार्च तक दावे-आपत्तियां मांगी गई हैं। ऐसे में अब लोगों के पास सिर्फ तीन दिन ही शेष बचे हैं।आपत्तियों पर राजस्व और पंजीयन विभाग के अधिकारियों द्वारा चर्चा की जाएगी। इसके बाद प्रस्तावित गाइडलाइन को केंद्रीय मूल्यांकन समिति में रखा जाएगा।

एम्स में मुफ्त लगेगा सर्विकल कैंसर से बचाव का टीका

09 से 14 साल की ब'चियों को लगाई जाएंगी डोज

सिटी चीफ भोपाल

सर्विकल कैंसर की रोकथाम के लिए प्रयास तेज हो रहे हैं। इसी के तहत एम्स भोपाल में सर्विकल कैंसर के बचाव की वैक्सीन लड़कियों को मुफ्त में लगाने की शुरुआत हो रही है। कार्यपालक निदेशक डा. अजय सिंह ने बताया कि पहले आओ-पहले पाओ, अभियान के अंतर्गत 9 से 14 वर्ष तक की 1×1 ब'चियों को टीका मुफ्त में लगाया जाएगा। एम्स भोपाल और विश्वनाथ केयर फाउंडेशन ने भावी पीढ़ी की स्वास्थ्य सुरक्षा और बेहतरी के मकसद से मिलकर यह कदम उठाया है।उन्होंने बताया कि देश में प्रतिवर्ष लगभग 1× लाख महिलाएं सर्विकल कैंसर से पीड़ित होती हैं, जिसमें से लगभग 80 हजार महिलाओं की इस घातक बीमारी की वजह से मौत हो जाती है। सबसे 'यादा मामले मध्य प्रदेश में पाए जाते हैं। विश्वनाथ केयर फाउंडेशन द्वारा सर्विकल कैंसर की रोकथाम के लिए 262 टीके एम्स भोपाल को गुरुवार को प्रदान किए गए हैं। लड़कियों को यह वैक्सीन छह महीने के अंतराल पर दो डोज लगाने के बाद कैंसर का खतरा लगभग पूरी तरह से टल जाता है। बाजार में यह टीका लगभग चार हजार रुपये में मिलता है।

यह है मकसद इस मौके पर प्रो. (डा.) अजय सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश में लोक स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता अटूट है। इस तरह की पहल के माध्यम से हमारा लक्ष्य रोकथाम योग्य बीमारियों से निपटने के लिए आवश्यक उपकरणों और संसाधनों के साथ समुदायों को सशक्त बनाना है।

पालीटेक्निक से कमला पार्क तक बीआरटीएस की जाली हटी, सीसी बेस को तोड़ने का काम जारी

सिटी चीफ भोपाल

रोशनपुरा चौराहा से कमला पार्क तक बने बीआरटीएस के दोनों ओर की जाली हटा दी गई है। अब सीमेंट-कंक्रीट से बने बेस को हटाने का काम चल रहा है। हालांकि, अभी इसमें ट्रैफिक शुरू होने में समय लगेगा। इसके पहले कारिडोर के डामरीकरण का काम पूरा किया जाएगा। इधर, लालघाटी से कलेक्ट्रेट तक के कारिडोर को हटाने का काम भी चल रहा है। हालांकि, यहां जीएडी से कोहेफिजा की पूरी लेन हट चुकी है। दूसरी तरफ टीन शेड लगाकर ट्रैफिक रोका गया है।बता दें कि बैरागढ़ से लालघाटी तक के कारिडोर को हटाने की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी की है। जबकि एम्प्री से मिसरोद तक 6.7 किमी, रोशनपुरा से कमला पार्क तक करीब 1.42 किलोमीटर और कलेक्ट्रेट से लालघाटी तक 1.73 किलोमीटर के कारिडोर नगर निगम को हटाना है। इसमें रोशनपुरा से कमला पार्क और कलेक्ट्रेट से लालघाटी तक दोनों हिस्सों को तोड़ने का काम अंतिम चरणों में चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि एम्प्री से मिसरोद तक बीआरटीएस हटाने का वर्क आर्डर जारी कर दिया गया है। आगामी सप्ताह से इस हिस्से को तोड़ने का काम भी शुरू होगा। लालघाटी से बैरागढ़ तक हटाने में देरी लालघाटी से बैरागढ़ तक बीआरटीएस कारिडोर लोक निर्माण विभाग द्वारा हटाया जा रहा है। इसका काम 20 जनवरी से शुरू हो चुका है। लेकिन 40 दिन बाद भी आधा कारिडोर नहीं हट सका। वर्तमान में हलालपुर से ईसाई समाज के कब्रिस्तान की लेन हटी है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि मैरिज गार्डंस के सामने वाली रोड पर डामरीकरण भी कर दिया गया है।

अधोसंरचना विकास के नाम पर 10 वर्षों में काट दिए तीन लाख पेड़, 30 फीसदी तक घटा हरित क्षेत्र

सिटी चीफ भोपाल

राजधानी में अधोसंरचना विकास के नाम पर बीते सात वर्षों में तीन लाख से अधिक पेड़ काट दिए गए। जिससे शहर में 30 प्रतिशत से अधिक हरित क्षेत्र कम हो गया है। इधर पेड़ों के कम होने से सड़कों में धूल और जलाशयों में प्रदूषण भी बढ़ता जा रहा है। इसका बुरा असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है, लेकिन शहर में विकास के लिए जिम्मेदार एजेंसियों के अधिकारी हरियाली को संरक्षण देने की बजाय इसे बर्बादी की ओर धकेल रहे हैं।पर्यावरणविद सुभाष सी पांडे ने बताया कि हाल ही में किए एक सर्वे में सामने आया है कि बीते 10 सालों में निर्माण कार्यों को लेकर जिस प्रकार पेड़ काटे गए हैं, उससे भोपाल की हरियाली में 30 फीसदी की कमी आई है। चौकानें वाली बात है कि बीते पांच वर्षों में इसमें 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। व्यापक स्तर पर पेड़ों की कटाई वाले नौ स्थानों पर 225 एकड़ हरित क्षेत्र के सफाए के बाद वहां कांक्रीट के जंगल बना दिए गए। इससे गर्मियों के दिनों में शहर में भीषण गर्मी पड़ती है। क्योंकि इसी वजह से यहां औसत तापमान पांच से सात डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। शहर के पर्यावरण को सर्वाधिक नुकसान वर्ष 2014 से 2021 के बीच हुआ है। इसी समय लगभग 80 फीसदी पेड़ काटे गए। जबकि 20 फीसद पेड़ों की कटाई 2009 से 2013 के बीच हुई है। **50 साल पुराने डेढ़ लाख पेड़ काटे**-प्रो. राजचंद्रन की वर्ष 2016 की रिपोर्ट में प्रकाशित शोध, गूगल इमेजनरी और अन्य सरकारी आंकड़ों के विश्लेषण से कम हो रहे ग्रीन बेल्ट को समझ सकते हैं। इसके लिए शहर को 15 प्रमुख क्षेत्रों में बांटा गया और तीन सड़कों (बीआरटीएस होशंगाबाद रोड, कलियासोत डेम की ओर जाने वाली रोड एवं नार्थ टीटी नगर की स्मार्ट रोड) को सैंपल के रूप में लिया गया।

शहीद भवन में बहुभाषी नाट्य समारोह का पहला दिन, गौहर महल में देखें बाग प्रिंट उत्सव

सिटी चीफ भोपाल

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शुक्रवार 01 मार्च को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।कृषि मेला - बिट्टन मार्केट स्थित दशहरा मैदान पर 01 से 03 मार्च तक कृषि, उद्यानिकी, डेयरी और कृषि अभियांत्रिकी मेला आयोजित किया जाएगा। इस मेले में फसलों की बुवाई से लेकर कटाई, गहाई और भंडारण के लिए उपयोगी सैकड़ों अत्याधुनिक कृषि उपकरण देखने को मिलेंगे। मेले का उद्घाटन कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंषाना मध्यान्ह 12 बजे करेंगे। राज्य तथा केन्द्रीय किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के सहयोग से आयोजित होने जा रहे इस मेले में शहरी दर्शकों के लिए बागवानी से जुड़ी सामग्री, मिलेट्स के व्यंजन, महिला उद्यमियों के द्वारा उत्पादित साज-सज्जा की सामग्री तथा खाद्य पदार्थ के साथ ड्रोन के साथ भीमकाय यंत्रों को निकट से देखने का अवसर भी होगा। कृषि एवं उद्यानिकी के विशेषज्ञों द्वारा किसानों को मार्गदर्शन देने तथा उनकी कृषि संबंधी समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए संगोष्ठी का आयोजन भी तीनों मेला दिवस पर किया जाएगा। मेले में विभिन्न राज्यों से आ रहीं प्रतिष्ठित कंपनियों के लगभग 100 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। प्रवेश पूर्णतः निश्शुल्क है। दर्शकों के मनोरंजन के लिए लोक नृत्य एवं कठपुतली नृत्य, मैजिक शो आदि आयोजन भी किए जाएंगे।

माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में फरवरी माह के प्रादर्श के रूप में भूटिया समुदाय के आध्यात्मिक उपकरण फुरबा को प्रदर्शित किया जा रहा है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है।

बाग प्रिंट उत्सव - बाग (धार) के शिल्पियों द्वारा गौहर महल में बाग प्रिंट उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। तीन मार्च तक चलने वाली इस प्रदर्शनी का समय दोपहर एक बजे से रात दस बजे तक है। बहुभाषी नाट्य समारोह - नाट्य संस्था करवां की ओर से बहुभाषीय नाट्य समारोह का आयोजन एक से पांच मार्च तक किया जा रहा है। शुक्रवार को समारोह के पहले दिन शहीद भवन में उर्दू नाटक बिच्छू का मंचन नजीर कुरैशी के निर्देशन में शाम सात बजे से किया जाएगा। यह एक हास्य नाटक है। दर्शकों के लिए प्रवेश निश्शुल्क है।

भारती कम्युनिकेशन के उपकरणों में सुरक्षा मानकों की जांच कर केंद्रीय जांच एजेंसी की टीम दिल्ली रवाना

सिटी चीफ भोपाल

भोपाल। राजधानी के गुलमोहर क्षेत्र में भारती कम्युनिकेशन के सीइओ गुरुवेश कुमार के आवास पर 14 घंटे जांच करने के बाद दिल्ली से आई केंद्रीय जांच टीम वापस रवाना हो गई है। मालूम हो कि मप्र-छग सहित केंद्रीय संस्थाओं में वायरलेस सेट, जीपीएस और अन्य संचार माध्यमों में उपयोग आने वाले उपकरणों की सप्लाई और सर्विसिंग में सुरक्षा मानकों की अनदेखी के संदेह पर टीम पहुंची थी। इस दौरान भोपाल पुलिस टीम ने केंद्रीय जांच एजेंसी का सहयोग किया। हालांकि इस दौरान केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने मीडिया से कोई जानकारी साझा नहीं की।इस वजह से जांच करने आई थी टीम जानकारी के अनुसार बुधवार शाम करीब छह बजे भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआइ) की टीम ने कुछ अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों के साथ गुलमोहर स्थित सीईओ के आवास पर कार्रवाई शुरू की थी, जो गुरुवार की सुबह आठ बजे तक चली। सूत्रों का कहना है कि मप्र-छग सहित केंद्रीय संस्थाओं में कंपनी ने वायरलेस सेट की सप्लाई की थी। इसमें कंपनी द्वारा नामी कंपनियों के इलेक्ट्रानिक्स और संचार उपकरणों के इंस्टालेशन में चायनीज साफ्टवेयर का उपयोग किया, जिसमें सुरक्षा को लेकर संदेह होने पर टीम जांच करने पहुंची थी।

संपादकीय

शाहजहां शेख के बहाने बदल जाएगी बंगाल की सियासत?

जिस तरह संदेशखाली की घटना घटी है, और जिस तरह हिंदू समुदाय में शाहजहां शेख पर कार्रवाई न करने के कारण ममता सरकार के खिलाफ नाराजगी बढ़ी है, उसका बड़ा असर हो सकता है। अनुमान है कि इस माहौल में भाजपा न केवल अपनी पिछली सीटों की संख्या को बरकरार रख सकती है, बल्कि वह और ज्यादा सीटें भी जीत सकती है।

संदेशखाली और शाहजहां शेख का मुद्दा आने वाले लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनेगा। भाजपा नेता इसे पूरी तरह लोगों के बीच ले जाएंगे और ममता बनर्जी सरकार को मुस्लिम तुष्टीकरण के आधार पर घेरने की कोशिश करेंगे। विशेषकर मुस्लिम बहुल इलाकों में हिंदू मतदाताओं के बीच यह संवेदनशील मुद्दा बन सकता है, जिसका ममता बनर्जी को नुकसान तो भाजपा को लाभ हो सकता है। यदि पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिक आधार पर मतदाताओं का विभाजन होता है, तो इससे स्थापित राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं। दरअसल, पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भी भाजपा ने प्रदेश में हिंदू समुदाय पर अत्याचार किए जाने का मामला पूरे जोर शोर से उठाया था। भाजपा नेताओं ने यह बताने की कोशिश की थी कि पश्चिम बंगाल में मुस्लिम बहुल इलाकों में हिंदू समुदाय के लोगों को विस्थापन, हिंसा और भेदभाव का शिकार होना पड़ रहा है। लेकिन भाजपा के जोरदार अभियान के बाद भी पश्चिम बंगाल में हिंदू-मुस्लिम समुदाय में बड़ा विभाजन नहीं हो पाया था। कहा जाता है कि इसके पीछे पश्चिम बंगाल की संस्कृति बहुत हद तक जिम्मेदार है, जहां हिंदू-मुस्लिम में बहुत ज्यादा भेद नहीं है। वहां का मुसलमान भी दुर्गा पूजा में शामिल होता है, तो हिंदू समुदाय को भी मस्जिदों से उठने वाली अजान से कोई परेशानी नहीं है। इसी का परिणाम हुआ था कि भाजपा पश्चिम बंगाल में एक सीमा से आगे नहीं बढ़ पाई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और सुवेंदु अधिकारी के हाई प्रोफाइल प्रचार अभियान के बाद भी भाजपा केवल 77 सीटों पर सिमट कर रह गई। जबकि इसी चुनाव में उसके मत प्रतिशत में 28 फीसदी और 74 सीटों की शानदार बढ़ोतरी हुई थी। दरअसल, पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 18 सीटें हासिल की थीं। बदले राजनीतिक समीकरणों में अनुमान लगाया जा रहा था कि भाजपा इस बार अपनी पिछली बढ़त को यहां बरकरार रखने में कामयाब नहीं होगी। लेकिन जिस तरह संदेशखाली की घटना घटी है, और जिस तरह हिंदू समुदाय में शाहजहां शेख पर कार्रवाई न करने के कारण ममता सरकार के खिलाफ नाराजगी बढ़ी है, उसका बड़ा असर हो सकता है। अनुमान है कि इस माहौल में भाजपा न केवल अपनी पिछली सीटों की संख्या को बरकरार रख सकती है, बल्कि वह और ज्यादा सीटें भी जीत सकती है भाजपा ने आरोप लगाना शुरू कर दिया है कि ममता बनर्जी सरकार ने शाहजहां शेख को 55 दिनों तक बचाए रखा। अब वह इस मामले को केंद्रीय एजेंसियों को सौंपने की मांग को लेकर बड़ा जन आंदोलन करने की तैयारी कर रही है। यदि यह मामला सीधे अदालत की देखरेख में नहीं जाता है, तो भाजपा इस पर बड़ा आंदोलन भी कर सकती है। पश्चिम बंगाल भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा कि पूरा बंगाल यह देख रहा है कि सरकार ने एक अपराधी को 55 दिन तक छुपाए रखा। उसने तब तक उसे गिरफ्तार नहीं किया, जब तक कि अदालत ने इस मामले में दखल नहीं दिया। ऐसे में पश्चिम बंगाल की पुलिस से उन्हें न्याय की कोई उम्मीद नहीं है। वह जांच को भी प्रभावित कर सकती है। ऐसे में इस मामले की पूरी सच्चाई सामने आने के लिए इस मामले को केंद्रीय जांच एजेंसियों को सौंप दिया जाना चाहिए। हालांकि पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं से यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के आरोपी टीएमसी नेता शेख शाहजहां को टीएमसी ने 6 साल के लिए पार्टी से सस्पेंड कर दिया है। पार्टी के फैसले का ऐलान करते हुए टीएमसी लीडर डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि एक पार्टी है, जो सिर्फ बोलती रहती है। तृणमूल जो कहती है, वो करती है। शेख को बंगाल पुलिस ने गुरुवार सुबह नॉर्थ 24 परगना के मीनाखान इलाके से उसे गिरफ्तार किया गया। वह 55 दिन से फरार था। पुलिस ने उसे बशीरहाट कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 10 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। कोलकाता पुलिस ने जांच क्रिमिनल इन्वेस्टीगेशन डिपार्टमेंट को सौंप दी है।

गगनयान के चार गगनवीर
अभी तो ये बस शुरुआत है!

गगनयान कार्यक्रम अंतरिक्ष अन्वेषण के इतिहास में एक अनुकूल समय में उभर रहा है। एक दशक से अधिक समय से, अमेरिका में मुट्ठी भर निजी कलाकारों ने मानव अंतरिक्ष उड़ान व्यवसाय को पलटना शुरू कर दिया है। स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान को वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से कर्मचारियों को लाने-ले जाने में लगभग एकाधिकार प्राप्त है।

40 वर्षों में पहली बार, भारतीयों का एक छोटा समूह हमारे वायुमंडल से परे खतरनाक सफर पर जाने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने दो दिन पहले चार टेस्ट पायलटों - प्रशांत नायर, अजीत कृष्णन, अंगद प्रताप और शुभांशु शुक्ला को सम्मानित किया - जो 1984 में सोयुज टी-11 पर राकेश शर्मा की ऐतिहासिक यात्रा के बाद बाहरी अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बनने वाले हैं।

यह कार्यक्रम महत्वाकांक्षी गगनयान कार्यक्रम के लिए एक औपचारिक मील का पत्थर था, जिसका लक्ष्य भारत को उन चार देशों में से एक बनाना है जो स्वतंत्र रूप से मानव अंतरिक्ष उड़ान कर सकते हैं।

गगनयान मिशन के बारे में सबसे पहले पीएम मोदी ने 2018 में स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से ऐलान किया था। तब उन्होंने अंतरिक्ष में तिरंगा फहराने के लिए 2022 की समयसीमा तय की थी जब भारतीय स्वतंत्रता के 75वें वर्ष को मनाया जा रहा होगा। योजना सरल थी। भारतीयों को लगभग तीन दिनों के लिए पृथ्वी की कक्षा में रखना और उन्हें सुरक्षित वापस लाना। हालांकि, इसे पूरा करने के लिए मानव-रेटेड लॉन्च वाहन से लेकर कक्षीय कैप्सूल तक कई जटिल नई क्षमताओं की जरूरत होगी। गगनयान के लिए भारत के नए अंतरिक्ष यात्रियों के लिए उन्नत प्रशिक्षण की भी आवश्यकता होगी। 2019 में, 12 चुने हुए आईएएफ टेस्ट पायलटों की प्रारंभिक रोस्टर को बेरहमी से घटाकर चार उम्मीदवारों तक सीमित कर दिया गया था। अगले वर्ष, चार पायलट उन्नत प्रशिक्षण के लिए रूस गए। हालांकि, जैसा कि नियति को मंजूर था, कोविड फैल गया, जिससे न केवल रूस में प्रशिक्षण में देरी हुई, बल्कि भारत में प्रमुख प्रणालियों के विकास और सत्यापन में भी देरी हुई।

कोविड की वजह से 2022 की समय सीमा पहुंच से बाहर हो गई। आखिरकार चारों पायलटों ने अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया। इसरो भी लगातार प्रगति करता रहा। जनवरी में, अंतरिक्ष एजेंसी के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने घोषणा की कि 2024 गगनयान की तैयारी का वर्ष होगा। यह त्वरित विकास का वादा और जटिल व जोखिम भरे प्रयास को आगे बढ़ाने में आने वाली कठिनाइयों को स्वीकार करने का वादा था।

गगनयान भले ही कितना भी साहसी क्यों न हो, यह मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए भारत की योजनाओं में केवल पहला कदम है। अगला कदम 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन को स्थापित करना और 2040 तक एक भारतीय को चंद्रमा पर भेजना है। साथ में, ये योजनाएं इसरो की प्राथमिकताओं में व्यावहारिक और मितव्ययी मिशनों से लेकर राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जुड़े उच्च-प्रोफाइल कार्यक्रमों में क्रमिक बदलाव का प्रमाण हैं।

अन्य देशों में मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रमों की तरह, यह बदलाव कुछ निष्पक्ष आलोचना को आकर्षित कर सकता है। मानव अंतरिक्ष उड़ान के विरोधियों का कहना है कि आधुनिक प्रोसेसर, रोबोटिक्स और संचार द्वारा समर्थित मानवरहित मिशन चालक दल के मिशन के समान अधिकांश वैज्ञानिक कार्य कर सकते हैं, जिसकी लागत भी बहुत कम होगी। मानव अंतरिक्ष उड़ान के रक्षकों का तर्क है कि लोग अपूरणीय हैं, क्योंकि अप्रत्याशित परिस्थितियों में अनुकूलन और सुधार करने की मानवीय क्षमता को अभी तक मशीनों द्वारा दोहराया नहीं जा सकता है।

हालांकि यह बहस संभवतः अनसुलझी रहेगी, लेकिन यह मुद्दा चूक गया है। मानव अंतरिक्ष उड़ान का औचित्य वैज्ञानिक नहीं, बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से खतरनाक मिशन पर किसी देश के सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली लोगों को भेजने का निर्णय इस बात का प्रमाण है कि वह अंतरिक्ष गतिविधि को कितनी गंभीरता से लेता है। ये दिखाता है कि राजनेता भविष्य के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को प्रेरित करने के लिए ऐसे मिशनों की शक्ति को सहजता से समझ लेते हैं। ऐसे मिशन किसी देश की तकनीकी क्षमता का स्पष्ट प्रदर्शन हैं।

अंत में, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम ऐतिहासिक रूप से उच्च-प्रौद्योगिकी उद्योगों के लिए लक्षित वित्तीय प्रोत्साहन के रूप में कार्य करते हैं, जिससे देशों को तकनीकी प्रगति करने और प्रतिभा को आकर्षित करने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए, अपोलो कार्यक्रम ने न केवल अमेरिका में उभरते माइक्रोप्रोसेसर उद्योग को बढ़ावा दिया, बल्कि वेल्क्रो फास्टनरों जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं को भी जन्म दिया। दरअसल, भारत का मानव अंतरिक्ष उड़ान का सपना ऐसे कार्यक्रमों का समर्थन करने और रिमोट-सेंसिंग उपग्रह बनाने जैसी इसरो की अधिक नियमित अंतरिक्ष गतिविधियों को संभालने के लिए देश के निजी क्षेत्र की क्षमता पर एक अंतर्निहित दांव है।

गगनयान कार्यक्रम अंतरिक्ष अन्वेषण के इतिहास में एक अनुकूल समय में उभर रहा है। एक दशक से अधिक समय से, अमेरिका में मुट्ठी भर निजी कलाकारों ने मानव अंतरिक्ष उड़ान व्यवसाय को पलटना शुरू कर दिया है। स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान को वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से कर्मचारियों को लाने-ले जाने में लगभग एकाधिकार प्राप्त है। बोइंग का बहुत विलंबित स्टारलाइनर अप्रैल में निर्धारित चालक दल परीक्षण उड़ान के साथ इस बाजार में प्रवेश करना चाहता है। ड्रैगन और स्टारलाइनर दोनों इसरो के गगनयान कैप्सूल के बराबर हैं, जो अभी भी विकासाधीन हैं।

इसके अलावा, वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशनों के लिए कम से कम तीन परियोजनाएं वर्तमान में चल रही हैं और स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन दोनों अंतरिक्ष यान डिजाइन कर रहे हैं जो लोगों को चंद्रमा पर ले जा सकते हैं।

भारत इस तस्वीर में कहां फिट बैठता है? गगनयान के साथ इसरो का एक लक्ष्य व्यावसायिक अवसरों की तलाश करना होगा, ताकि कार्यक्रम अंततः अपने लिए भुगतान करना शुरू कर दे। हालांकि यह अमेरिकी कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा की उम्मीद कर सकता है, इसरो मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए विस्तारित बाजार में भी एक खिलाड़ी बन सकता है, जो वाणिज्यिक अंतरिक्ष स्टेशनों को विश्वसनीय परिवहन प्रदान करता है और अंतरिक्ष पर्यटकों को सीटें प्रदान करता है।

मानव अंतरिक्ष उड़ान बाजार भी पृथ्वी पर वापस आने के अवसर प्रदान करता है। इसरो का मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र और आईएएफ का इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन भारत में एक अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केंद्र के लिए भ्रूण के रूप में काम कर सकता है जिसमें निजी क्षेत्र भारी मात्रा में शामिल है। कल सम्मानित किए गए चार टेस्ट पायलट अग्रणी हैं, लेकिन उनका अनुसरण कई अन्य लोगों द्वारा किया जाना चाहिए जो तिरंगे को कक्षा में और उससे आगे ले जाते हैं।

चुनावी वर्ष में रियल एस्टेट की चमक से रोजगार बढ़ने और अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद

वर्ष 2023 सही मायनों में रियल एस्टेट का साल था और वर्षों बाद उसने अपनी चमक बिखेरी। यह चमक इस साल भी बरकरार है। लगातार रियल एस्टेट कंपनियों के नए लॉन्च की खबरें सामने आ रही हैं। पिछले साल देसी-विदेशी निवेशकों ने इसमें जमकर पैसा लगाया, जिसका असर भी दिखा। आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले साल कुल 5.1 अरब डॉलर का निवेश इस क्षेत्र में हुआ। इनमें से दो अरब डॉलर से भी ज्यादा रकम जमीन की खरीद में लगाई गई, यानी इस साल या अगले साल उनमें निर्माण कार्य होंगे। इससे बड़े पैमाने पर इस क्षेत्र में रोजगार मिलने की उम्मीद जताई जा सकती है। प्रॉपर्टी की वैश्विक सेवा कंपनी जेएलएल के मुताबिक, पिछले साल हर तिमाही में औसतन 65,000 इकाइयां बिकीं और पहले नौ महीनों में 2,23,905 लॉन्च हुए, जो एक रिकॉर्ड है। यह संख्या साल के अंत तक लगभग 2,80,000 रही होगी। इन आंकड़ों के आधार पर कहा जा रहा है कि इस साल कुल 2,90,000 आवासीय इकाइयां लॉन्च हो सकती हैं। जेएलएल का कहना है कि होम लोन ब्याज दरों के ज्यादा होने तथा महंगाई में बढ़ोतरी के बावजूद ग्राहक नई इकाइयों में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। यदि रिजर्व बैंक अपनी अगली बैठक में ब्याज दरों में कटौती करेगा, तो उसका असर मकानों तथा व्यावसायिक संपत्ति की खरीद पर भी पड़ेगा। वर्ष 2023 में एक और बात देखने में आई कि ग्राहक बन रहे मकानों में भी निवेश कर रहे हैं। यह एक अच्छा ट्रेंड है, जो बताता है कि आने वाले समय में मकानों की बिक्री लगातार बढ़ेगी। इसके अलावा, महंगे और लग्जरी सेगमेंट के मकानों की बिक्री खूब बढ़ी है। डेढ़ करोड़ रुपये की कीमत तक के मकानों की बिक्री में 22 फीसदी तथा लग्जरी मकानों, जो तीन करोड़ रुपये से भी ज्यादा कीमत के हैं, की बिक्री में 83 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह देश की बेहतर आर्थिक स्थिति का संकेत है। मुंबई, दिल्ली, गुरुग्राम के अलावा नोएडा में भी महंगे मकान अब काफी बिक रहे हैं। जिस गंभीरता से निवेशक रियल एस्टेट में धन लगा रहे हैं, उससे पता चलता है कि उनका भरोसा कायम है। रियल एस्टेट में सरकारी पहल के अलावा, टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस्तेमाल, विदेशी करार वगैरह इसे मजबूत बना रहे हैं। नई टेक्नोलॉजी के कारण अब स्मार्ट होम धड़ल्ले से बन रहे हैं। नए उपकरणों से ऊंचे-ऊंचे मकान कम समय में तैयार हो रहे हैं। ऐसे मकान बनाना भी संभव हो गया है, जहां ऊर्जा की खपत कम होती है और ग्राहकों को ये पसंद भी आते हैं। अंतरराष्ट्रीय एजेंसी केपीएमजी का कहना है कि 2024 भारतीय रियल एस्टेट के लिए एक उत्साहपूर्ण वर्ष होगा और पिछले साल की तुलना में 10 से 15 फीसदी तक की बढ़ोतरी होगी और आवासीय सेक्टर में तीन लाख यूनिट बिक सकते हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में ऑफिस स्पेस की जो मांग कोविड के कारण घट गई थी, अब तेजी से बढ़ रही है तथा आगे और बढ़ने की उम्मीद है। अब न केवल वर्क प्लेस की मांग बढ़ी है, बल्कि मॉल तथा शॉपिंग कॉम्पलेक्सों की भी। यानी आने वाले समय में कमर्शियल रियल एस्टेट को और भी बढ़ावा मिलेगा। ई-कॉमर्स तथा लॉजिस्टिक्स में भी गतिविधियां तेज हो जाने से वेयर हाउसिंग में भी तेजी आएगी। बंगलूरू, चेन्नई, पुणे, दिल्ली-एनसीआर, कोलकाता, मुंबई-ये वे शहर हैं, जहां कमर्शियल स्पेस की मांग बढ़ी है और 2024 में भी बढ़ती रहेगी। हालांकि 2024 चुनावी वर्ष है। इसके बावजूद उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था छह फीसदी से भी ज्यादा रफ्तार से बढ़ेगी। इस भरोसे से रियल एस्टेट को गति मिलती है। तेजी से शहरीकरण के चलते नई पीढ़ी अब रियल एस्टेट में दिलचस्पी ले रही है। इससे यह संभावना दिख रही है कि न केवल 2024 में, बल्कि आगे भी रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी आएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि 2025 में रियल एस्टेट क्षेत्र का आकार 650 अरब डॉलर का होगा, जो देश की प्रगति में हाथ बंटाएगा। रियल एस्टेट का देश के कुल जीडीपी में 7.3 फीसदी का हिस्सा है और यह रेलवे के बाद दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता है। इससे सरकार को टैक्स के रूप में बहुत बड़ी राशि मिलती है। इसके विकास से लोहा, सीमेंट, फर्निशिंग के सामान, बिजली के सामान, सैनिटरी गुड्स वगैरह उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव : बुजुर्ग बाइडन की बेचारगी बनाम ट्रम्प से महामानव जैसी उम्मीदें

जब एक बड़े अमेरिकी नेता (जो बाइडन) के लिए कुछ भी ठीक न हो रहा हो, तब उसे धर्म (बाइबिल) की शरण में जाना ही पड़ता है। ऐसा करना उनकी मजबूरी भी है, क्योंकि उनकेधर्म में ऐसे लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जो उनके विरोधी (डोनाल्ड ट्रंप) को ईश्वर की पसंद बता रहे हैं। वृद्धावस्था के स्वाभाविक लक्षणों से जूझ रहे बाइडन को उन किताबों में ही सांत्वना मिल सकती है, जो बुढ़ापे को जीवन के गौरवशाली शिखर के रूप में स्थापित करती हैं। खुद अमेरिकी राष्टपति के न्याय विभाग द्वारा नियुक्त किए गए विशेष जांच अधिकारी ने ओबामा प्रशासन छोड़ने के बावजूद आधिकारिक दस्तावेजों के उनके पास होने की जांच की, पर उन्हें दोषी नहीं पाया। हां, जांच अधिकारी ने बेहद विनम्रतापूर्वक उनकी मानसिक तीक्ष्णता पर संदेह जरूर प्रकट किया। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा, 'राष्टपति नेक इरादे वाले बुजुर्ग व्यक्ति हैं, जिनकी याददाश्त कमजोर है और बुढ़ापे में उनकी क्षमताएं भी कुछ कमजोर हुई हैं।' एक राष्टपति, जो मैक्रों को मिटरैंड और मर्केल को कोह्ल समझ लेते हैं और उस आतंकी संगठन तक का नाम भूल जाते हैं, जिसके साथ इस्राइल गाजा में लड़ रहा है, मुमकिन है कि याददाश्त संबंधी समस्याओं से जूझ रहा हो। लेकिन दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्टपति की ये व्यक्तिगत समस्याएं क्या वाकई इतनी सामान्य हैं? आप कभी-कभार हैरान-सी दिखने वाली उनकी मुख-मुद्रा को देखिए या फिर प्रेस कान्फ्रेंस में उनके तौर-तरीके व उनकी फिटनेस को देखिए, ये सब दूसरे कार्यकाल के लिए उनकी पात्रता के बारे में सार्वजनिक चिंताओं को बढ़ाते हैं, जिसके अंत में वह 86 वर्ष के हो जाएंगे। शारीरिक भाव-भंगिमाओं से वह खुद को युवा दिखाने की कोशिश जरूर करते हैं, लेकिन जो चीजें स्वाभाविक रूप से भीतर से आ रही हों, उन्हें क्या कहें? एक लेखक कहते हैं कि जो बाइडन को अपने सामने देखकर ऐसा लगता है कि वह किसी प्रतिमा में तब्दील हो रहे हैं। क्या यह अमेरिकी स्वप्न का धूमिल होना है, क्योंकि 2024 का चुनाव, जिस पर सबसे ज्यादा लोगों की नजर होगी, दो बुजुर्गों के बीच होने वाली प्रतियोगिता बन गई है? 77 साल के डोनाल्ड ट्रंप अपेक्षाकृत युवा प्रतिद्वंद्वी हैं। लेकिन तमाम सर्वेक्षण, रिपब्लिकन और व्यापक रूप से जनता उनकी उम्र को लेकर कम चिंतित दिखाई देती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह प्रतीत होता है कि बढ़ती उम्र ने उनके गुस्से को और बढ़ा दिया है, जिससे वह परंपरागत राजनीति को रौंदने वाले महामानव ज्यादा दिखने लगे हैं। दूसरी ओर, बाइडन के अपने उदार प्रशंसक हैं, जो तर्क दे सकते हैं कि शारीरिक-मानसिक कमजोरियां भले उनकी सार्वजनिक मौजूदगी में दिखती हों, पर इनका राष्टपति के रूप में उनके कर्तव्यों के निर्वहन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कहने का तात्पर्य यह कि राजनीति और शासन में कुछ चीजें अंदरखाने में चलती हैं, इसलिए इस मामले में चुप्पी ही श्रेष्ठ है। लेकिन इस तर्क में दुनिया के सबसे ताकतवर राजनेता की शारीरिक-मानसिक कमजोरी के अलावा एक गंभीर लोकतांत्रिक हताशा भी छिपी है। बाइडन की पार्टी खुद उनसे पीड़ित है, क्योंकि वह ट्रंप नहीं हैं। दूसरी ओर, रिपब्लिकन बेहद गुस्से वाले ट्रंप को नाराज करने से बहुत डरते हैं। बाइडन की चौंका देने वाली बेतरतीबी औरट्रंप का कच्चा यथार्थवाद एक पुरानी कहावत की सीमा को उजागर करता है कि जितना अधिक शरीर बूढ़ा होता है, आप उतने ही समझदार होते हैं। यह कहावत दरअसल पूर्व से ली गई है, जहां बुद्धिमान लोग हमेशा एक खास क्षेत्र के माने जाते थे। जब चीनी साम्यवाद ने अपने सांस्कृतिक इतिहास से सबसे बुद्धिमान व्यक्ति को अपनाया, तो झोंगनानहाई के प्राचीन साथियों को जीवंतता की अतिरिक्त खुराक मिल गई। हालांकि कन्फ्यूशियस ने कभी सार्वजनिक मंच नहीं छोड़ा। माओ जब मार्क्स से मिलने के लिए रवाना हुए, तब वे 82 वर्ष के थे। माओ के बाद सबसे प्रभावशाली चीनी देंग जियाओपिंग ने, जो सांस्कृतिक क्रांति के बाद भी बचे थे, जब मंच छोड़ा, तो 92 वर्ष के थे। जाहिर है कि बुढ़ापे ने इन महान व्यक्तियों की गति कभी धीमी नहीं की। इनकी सक्रियता शारीरिक बंधनों के बावजूद बनी रही। इतिहास बताता है कि क्रांतियां तभी परिपक्व होती हैं, जब उन्हें पुराने क्रांतिकारियों द्वारा पोषित किया जाता है। जाहिर है कि उम्र का अपना महत्व होता है और पूर्व ने इस चीज को हमेशा महत्व दिया है। वह हमेशा से ही बुद्धिमान बुजुर्गों का पक्षपाती रहा। हमारे देश में बाइडन जैसी स्थिति पैदा नहीं हुई। जब मोरारजी देसाई अमेरिकी राष्टपति की मौजूदा उम्र 81 वर्ष में देश के प्रधानमंत्री बने, वह भारतीय राजनीति के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति तो थे ही, कांग्रेस-विरोधी लहर की पहली पंक्ति के राजनेता भी थे। उनके पास स्वस्थ रहने के अपने स्वदेशी तरीके थे। लेकिन उन्होंने कभी भी जयप्रकाश नारायण को जगजीवन राम समझने की भूल नहीं की। उनके उत्तराधिकारी बनने वाले चौधरी चरण सिंह का प्रधानमंत्री बनने का सपना जब पूरा हुआ, तब वह उनसे मात्र चार वर्ष छोटे थे, जो 77 वर्षीय ट्रंप से कुछ हीमहीने कम थे। 81 साल की उम्र में अपने सपनों का पीछा करने वाले आडवाणी के रास्ते में बाधा बनकर उम्र खड़ी नहीं हुई, बल्कि एक 'यात्रा' थी, जिसने उन्हें विफल बना दिया। शायद हमने आदर्शवादियों की अपेक्षा अनुभवी लोगों को प्राथमिकता दी। हो सकता है कि जैविक उम्र को हराने के विज्ञान की शुरुआत पूर्वी परंपराओं में हुई हो। हमने लंबे समय तक जीने के लिए अपने सिर के बल खड़े होना, सांस रोकना और मोर की तरह मुद्रा बनाना सीख लिया है। तो क्या बाइडन की शारीरिक-मानसिक समस्याओं का कोई सांस्कृतिकपहलू है? यह लोकतांत्रिक 'कॉफेफे' का मामला हो सकता है। इस शब्द का इस्तेमाल एक बार ट्रंप ने टाइपिंग की गलती से 'कवरेज' के लिए किया था। अगर यह बात जो बाइडन ने कही होती, तो जाहिर है कि इसे बेहद सामान्य माना जाता।

प्रेग्नेंट पत्नी को प्रोटेक्ट करते दिखे रणवीर कपल का एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

मुंबई । बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और एक्टर रणवीर सिंह ने बीते दिन अपने फैंस को खुशखबरी दी। दोनों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बताया कि वे बहुत जल्द माता-पिता बनने वाले हैं। दीपिका प्रेग्नेंट हैं और सितंबर 2024 में बच्चे का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस खबर के वायरल होने के कुछ देर बार दीपिका और रणवीर एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए। यहां देखिए दोनों के वायरल वीडियोज।

मुंबई एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत
मुंबई एयरपोर्ट पर दीपिका और रणवीर हाथों में हाथ डाले, व्हाइट ड्रेस में ट्विनिंग करते और चश्मा लगाए नजर आए। दोनों का एयरपोर्ट पर भव्य तरीके से स्वागत हुआ। शटरबग्स ने कपल को बधाई दी और एयरपोर्ट के बाहर केक कटवाया। सामने आए वीडियो में दीपिका अपने हाथों से केक का एक टुकड़ा अपने पति रणवीर को खिलाते दिखाई दे रही हैं।

जामनगर में दीपिका को प्रोटेक्ट करते दिखे रणवीर
दोनों अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन्स के लिए जामनगर पहुंचे। जामनगर में जब पपराजी कपल की तस्वीरें लेने लगे और फैंस उन्हें बधाई देने पहुंचे तब रणवीर अपनी प्रेग्नेंट पत्नी को प्रोटेक्ट करते नजर आए। रणवीर और दीपिका का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग रणवीर की तारीफ कर रहे हैं। वहीं दीपिका को बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'कितना प्यारा पति और पिता है।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'नजर न लगे।' तीसरे यूजर ने लिखा, 'कपल गोल्स।'

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म 'योद्धा' का ट्रेलर हुआ रिलीज हर सीन में है रोंगटे खड़े कर देने वाला दमदार एक्शन

मुंबई। सिद्धार्थ मल्होत्रा स्टारर एक्शन थ्रिलर 'योद्धा' बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। फिल्म का पोस्टर जहां आसमान की ऊंचाइयों में रिलीज किया गया था। वहीं अब इसका ट्रेलर भी फ्लाइट में रिलीज किया गया है। करण जौहर ने इस ट्रेलर लॉन्च के दौरान पूरी टीम के साथ फ्लाइट पैसिंजर्स के साथ फिल्म को लेकर बात की है। इसके ट्रेलर लॉन्च ने इसी वजह से हिंदी सिनेमा में इतिहास रच दिया है। अगर आप भी एक्शन फिल्मों के दीवाने हैं तो यह फिल्म देशभक्ति की भावना के साथ आपको बेहतरीन एक्शन देखने को मिलने वाला है। फिल्म का ट्रेलर काफी

दमदार है, जहां हर एक सीन में हाई ऑक्टेन एक्शन नजर आ रहा है। फिल्म में फ्लाइट के अंदर जिस तरह का एक्शन नजर आ रहा है, वह बॉलीवुड के लिए काफी नया है।इस फिल्म को लेकर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा, धर्मा प्रोडक्शंस ने एक बार फिर अनोखे, इन-फ़्लाइट ट्रेलर लॉन्च के लिए आसमान छू लिया, जो वास्तव में उन सभी रोमांच के लिए माहौल तैयार करता है जिनकी दर्शक फिल्म देखते समय उम्मीद कर सकते हैं। सागर अम्ब्रे और पुष्कर ओझा द्वारा लिखित और निर्देशित, योद्धा इस साल 15 मार्च को रिलीज़ होगी। कहानी एक विमान के अपहरण और उसके बाद के बचाव अभियान की कहानी है।

ये सीरीज देखने के बाद 'गणपत' भी क्लासिक लगेगी, फ्लश हो गई अदा शर्मा की सारी साख

विकास बहल की 'गणपत' अब मुझे अच्छी लगने लगी है। उनकी बनाई सीरीज 'सनफ्लॉवर' का दूसरा सीजन देखने के बाद। औसतन आधे आधे घंटे के आठ एपिसोड वाली सीरीज जिसमें कोई डेढ़ मिनट के ओपनिंग क्रेडिट्स और करीब तीन मिनट के एंड क्रेडिट्स हैं, को देखने के बाद ये सोचने पर मजबूर होना पड़ता है कि आखिर जी5 में इस तरह की कहानियों को मंजूरी देने और फिर उन्हें बनाकर ओटीटी को पैसा देने वाले ग्राहकों को दिखाने के फैसले लेने में कौन-कौन और क्यों ही शामिल होता होगा? बस, एक नमूना समझिए। कहानी का क्लाइमेक्स चल रहा है। एक महिला बालकनी में कपड़े सुखा रही है और इस कोशिश में बार बार जरूरत से ज्यादा ही बाहर की तरफ लटक जा रही है। ठीक वैसी ही साड़ी ब्लाउज पहने एक दूसरी महिला एक दूसरे घर में है। मर्डर मिस्ट्री लव ट्रायंगल में बदल चुकी है। पुलिस किसी ऐसे थाने की है जिसके जीवन में बस इस एक केस के अलावा दूसरा कुछ सत्य बचा नहीं है। हीरो अपना कैवल्य के बिल्कुल करीब पहुंच चुका है। बुद्ध जैसी मुस्कुराहट लिए वह बाथरूम जाता है। पुलिस 'सनफ्लॉवर' कॉलोनी आती है। गाडी के पोर्टिको में रुकते ही आसमान से 'आफत' गिरती है। नहीं, वो नहीं जो आपने समझा। कवि (विकास बहल) यहां ये कहता है कि कहानी का सस्पेंस क्या होता, इसे समझने के लिए अगर आपने 'गणपत' नहीं देखी है तो फिर 'सनफ्लॉवर' समझ नहीं आएगी।

तो चलिए, आपको 'सनफ्लॉवर' की व्याख्या आपको संदर्भ और प्रसंग समेत समझाते हैं। कहने का मतलब ये कि विकास बहस ने हिंदी सिनेमा में कहानियों के परदे पर प्रस्तुतिकरण का जो नया लो प्वाइंट अपनी पिछली फिल्म 'गणपत' में हासिल किया, 'सनफ्लॉवर' का सीजन 2 उससे थोड़ा और नीचे है। धरती के सबसे निचले बिंदु मृत सागर की सतह नहीं, तलहटी के आसपास। इस सीरीज की कहानी बीते सीजन में मारे गए राज कपूर की तफ्तीश के साथ आगे बढ़ती है। मोटे चश्मे वाला कोतवाल है। मुंबई पुलिस में मेडिकल फिटनेस जैसी कोई चीज होती ही नहीं है, शायद। दरोगा उससे बड़ा चपड़गंजू है। थाने में ही रोल बनाता है। 'मेरी 'गर्लफ्रेंड्स' हैं' जैसे जुमले मारकर घर में काम करने वाली बाई की जासूसी के जरिये केस सुलझाने के इरादे रखता है। इमेज मुंबई पुलिस की ये सीरीज ऐसी बनाती है कि एकबारगी शहर के किसी खाकी वाले ने ये सीरीज देख ली और अगली बार विकास बहल कहीं ट्रैफिक सिगनल पर दिखे तो...!

बेकार गईं अदा शर्मा की सारी अदाएं
खै़र, सीरीज का पहला सीजन भी कोई कमाल था नहीं तो इसका दूसरा सीजन देखने का चाव शायद ही दर्शकों में हो। लेकिन, इस बार अदा शर्मा इस सीरीज का आकर्षण बताई गईं। मैंने भी रात काली करके पूरी सीरीज बिंज वॉच उन्हीं के लिए की। विकास ने अदा को क्या कहानी सुनाई, ये तो पता नहीं लेकिन 'द केरल स्टोरी' से कमाई सारी साख, अदा ने इस सीरीज में फ्लश कर दी है। नवागत प्रकाश कोशिश पूरी करते हैं अपने कैमरे का संतुलन साधकर अदा को खूबसूरत दिखाने की लेकिन उनका किरदार इतना हल्का लिखा गया है कि उनके भारी भरकम शरीर के साथ उनके इंट्रोडक्शन सीन से ही पता चल जाता है कि 'बहनजी' करने क्या वाली हैं? घर में हथौड़ा और बाहर सीना चौड़ा वाले एटीट्यूड की मोहतरमा का ये किरदार हर उस किरदार की सफेदी पर दाग लगाता चलता है जिसे विकास ने इस कहानी में कभी ढंग से पेश किया। डांस बार में बजने वाले सारे गाने वही हैं जिनके राइट्स शायद जी के पास हैं और ऐसे हर गाने पर किया अदा का डांस बहुत ही बेहूदा और भद्दा नजर आता है।

सीरीज में खूब भर भरके किरदार हैं। सबकी कहानियां अपनी अलग अलग चल रही हैं। मोटे चश्मे वाले कोतवाल को एक संदिग्ध की पत्नी से ही इश्क हो जाता है। वह भी हवालात में बंद पति को छोड़ खाकी वाले के लिए व्यंजन पकाने लगती है। पुलिस की जासूस जो बाई है उसने भी यूनियन बना ली है। फ्लैशबैक चलता है तो पता चलता है कि विकास बहल ने उसका टांका भी कपूर से भिड़ा रखा है। विकास ने घर की बेटी तक को नहीं बख्शा। उसे भी 'बाइसेक्सुअल' का किरदार थमा दिया है। सोसाइटी की मैनेजिंग कमेटी में शामिल महिलाओं को वह शंकालु और ईर्ष्यालु दिखाते हैं और सोसाइटी के वॉचमैन से फ्लैट की मालकिन के अंतःवस्त्र ठीक कराते हैं। कपूर की बीवी का किरदार ऑडियो नोट्स से सामने आता है। और, जब उसका वीडियो दिखता है तो वह भी किसी 'विषकन्या' सरीखी नजर आता है कहने को सीरीज का निर्देशन किन्हीं नवीन गुजराल ने किया है, लेकिन सीरीज की महिला किरदारों के चरित्र चित्रण पर विकास बहल की छाप साफ नजर आती है।

जी हां, कबिरा इस संसार में..
कहानी, स्क्रिप्ट और संवादों में सीरीज इतनी थकी हुई है कि इसमें तड़का मारने के लिए जसमीत यूपी की तरफ बीते 50 साल से प्रचलित वह अश्लील दोहा लिखने से भी नहीं चूकते कि 'कबिरा इस संसार में भांति भांति के लोग हैं.. ।' जी हां, इसकी दूसरी लाइन सीरीज में ज्यों की त्यों है। हर किरदार को कैमरे के सामने कुछ ऐसा नमूना बनाकर पेश किया गया है कि क्रेडिट्स में मुझे मेकअप महारथी का नाम तलाशना ही पड़ा। पता चला कि सुश्री पायल भाटिया ने मेकअप किया नहीं, बल्कि हेयर एंड मेकअप डिजाइन किया है। इस चक्कर में बेचारे प्रोडक्शन डिजाइन करने वाले मंदार नागांवकर अपने काम पर ध्यान ही नहीं दे पाए। कहने को कोणार्क सक्सेना जैसा नाम भी सीरीज के एडिटर के रूप में भी लिखा है लेकिन ऐसी सीरीज में तो क्या ही लेखन, क्या ही निर्देशन और क्या संपादन। मनोरंजन सामग्री परोसने वाले ओटीटी अगर उपभोक्ता संरक्षण कानून के अंतर्गत आते होते, तो इस सीरीज को देखने में खर्च हुए समय का मुआवजा मांगने के लिए जी5 और विकास बहल पर केस जरूर दर्ज होते..! और हां, सीरीज के हीरो सुनील ग्रोवर हैं। उनका जैसा काम है, वैसा ही उल्लेख मैंने इस समीक्षा में किया है। बाकी कम लिखे को ज्यादा समझना।

कैसेंड्रा माई स्पिटमैन ने की पीएम मोदी की तारीफ, गाने का अनुभव साझा करते हुए कही यह बात

जर्मन गायिका और गीतकार कैसेंड्रा माई स्पिटमैन इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने पीएम मोदी के साथ हुई मुलाकात में उन्हें अच्युतम केशवम गाकर सुनाया था। उनके इस भजन से पीएम मोदी काफी ज्यादा प्रभावित हुए थे। इस मुलाकात का एक वीडियो भी इंटरनेट पर काफी वायरल हुआ था, जिसमें वे अपनी मधुर आवाज में प्रधानमंत्री को भजन सुनाती दिखी थीं।

गायिका ने साझा किया अनुभव
अब एएनआई से बात करते हुए गायिका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अपना अनुभव साझा किया है। स्पिटमैन ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा, यह बहुत दिलचस्प था। मेरा मतलब है कि वे बहुत मजाकिया हैं। हमने साथ में जुगलबंदी की। मैंने उनके लिए दो गाने गाए। एक तमिल गाना था और दूसरा अच्युतम केशवम।

पीएम मोदी ने शेयर किया था वीडियो
प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में तमिलनाडु के पल्लदम में जर्मन गायिका और उनकी मां से मुलाकात की थी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर गायिका का वीडियो साझा किया था। वीडियो में कैसेंड्रा %अच्युतम केशवम% और एक तमिल गाना गाकर अपनी संगीत प्रतिभा दिखाती नजर आई थीं। वहीं, पीएम मोदी उनके प्रदर्शन का आनंद लेते हुए दिखे थे। इस वीडियो के साथ पीएम मोदी ने एक नोट साझा कर पीएम मोदी की तारीफ की थी।

पंकज उधास की याद में साथियों ने इस दिन रखी प्रार्थना सभा, जुटेंगे सुरों के दिग्गज सितारे

डेस्क। गजल उस्ताद पंकज उधास का 26 फरवरी को लंबी बीमारी के बाद मुंबई में निधन हो गया। इस खबर से समस्त देशवासियों को तगड़ा झटका लगा। फैंस समेत सितारे और देश के प्रधानमंत्री ने भी गजल गायक को श्रद्धांजलि अर्पित की। 27 फरवरी को पंकज उधास का अंतिम संस्कार हुआ, जिसमें उनके अंतिम दर्शन के लिए सितारों का जमावड़ा देखने को मिला। वहीं, अब दिवंगत गजल गायक की प्रार्थना सभा पर बड़ा अपडेट सामने आया है। पंकज उधास की प्रार्थना सभा 2 मार्च, 2024 को मुंबई में आयोजित की जाएगी। बुधवार को, दिवंगत गजल उस्ताद की बेटी नायाब उधास ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा किया कि उनके पिता की स्मृति के सम्मान में एक प्रार्थना सभा मनाई जाएगी। यह 2 मार्च को शाम 4 बजे से 6 बजे तक मुंबई के ट्राइडेंट होटल, द रूफटॉप, नरीमन पॉइंट में आयोजित किया जाएगा। 26 फरवरी को पंकज उधास के निधन की खबर जानकर पूरा देश गमगीन हो गया। गजल गायक के परिवार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 'हम आपको लंबी बीमारी के कारण 26 फरवरी, 2024 को पद्मश्री पंकज उधास के दुखद निधन के बारे में सूचित

करते हुए दुखी हैं।' वहीं, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गजल उस्ताद के निधन को देश के लिए बड़ी क्षति माना। इसके अलावा सोनू निगम, शंकर महादेवन और अनूप जलोटा समेत तमाम गायकों एवं सितारों ने पंकज उधास को श्रद्धांजलि अर्पित की। पंकज उधास के निधन के बाद अनूप जलोटा ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि गजल उस्ताद को कुछ वक्त पहले अग्नाशय के कैंसर का पता चला था। उन्होंने कहा, 'जिस आदमी ने इतने सारे कैंसर रोगियों की मदद की, वह खुद कैंसर से जूझते हुए दुनिया को अलविदा कह गए। यही जीवन है। उन्हें अग्नाशय कैंसर था। ये बात मुझे पिछले 5-6 महीने से पता थी और पिछले 2-3 महीने में उन्होंने मुझसे बात करनी बंद कर दी तो मुझे एहसास हुआ कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। मुझे बहुत दुख है कि इस बीमारी ने उनकी जान ले ली।'

'एनिमल पार्क' से पहले ये फिल्म पूरी करेंगे संदीप रेड्डी वंगा

बीते साल अभिनेता रणबीर कपूर के साथ मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' बनाने वाले निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा ने अपनी अगली दोनों फिल्मों को लेकर तस्वीर साफ कर दी है। 'एनिमल' का सीक्वल 'एनिमल पार्क' बनाने से पहले वह प्रभास के साथ प्रस्तावित अपनी फिल्म पूरी करेंगे। और, इस फिल्म का विषय क्या होगा, इसके बारे में भी संदीप ने विस्तार से जानकारी दी है। बीते साल की कामयाब फिल्मों में शुमार फिल्म 'सलार पार्ट वन सीजफायर' के अभिनेता प्रभास और फिल्म 'एनिमल' के निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा की एक साथ बन रही फिल्म 'स्पिरिट' हॉरर फिल्म नहीं है। मुंबई में फिल्म 'दुकान' का ट्रेलर रिलीज करने आए संदीप ने साफ किया कि वह प्रभास के साथ जो उनकी फिल्म बन रही है, उसका इसके नाम के अनुरूप आत्माओं या भूत-प्रेतों से कोई लेना देना नहीं है। संदीप ने इस मौके पर कहा, 'मेरी ये फिल्म एक पुलिस

अधिकारी के जीवन पर आधारित है। ये फिल्म मेरी अब तक की सारी फिल्मों से बिल्कुल अलग है। इसमें मेरा अपनी खास शैली तो होगी लेकिन ऐसा कुछ नहीं होगा जो मेरे चाहने वालों ने मेरी किसी पहले की फिल्म में देखा होगा।' अरसे से इस बात की भी चर्चा चलती रही है कि संदीप रेड्डी वंगा शायद 'एनिमल' की सफलता को देखते हुए पहले इसकी सीक्वल ही बनाएं। उन्होंने इस बारे में भी इस कार्यक्रम के दौरान स्थित स्पष्ट कर दी। एक सवाल के जवाब में संदीप ने कहा कि वह प्रभास के साथ फिल्म 'स्पिरिट' बनाने का वादा पहले ही कर चुके हैं और इसके मुताबिक वह पहले प्रभास की फिल्म पूरी करेंगे और इसके बाद रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'एनिमल पार्क' पर काम शुरू करेंगे। संदीप रेड्डी वंगा ने फिल्म 'एनिमल' बनाने वाली कंपनी टी सीरीज के साथ तीन फिल्मों का करार किया है और उनकी ये दोनों फिल्में इसी करार का हिस्सा होंगी। यहां ये भी गौरतलब है कि फिल्म 'एनिमल' दरअसल संदीप ने पहले इसके मूल निर्माता सिने वन स्टूडियोज के मालिक मुराद खेतानी के साथ शुरू की थी। मुराद ही इस फिल्म के लिए रणबीर कपूर को भी लाए थे, लेकिन फिल्म शुरू होने के बाद संदीप और टी सीरीज के मालिक भूषण कुमार की नजदीकियां इतनी बढ़ीं कि कहते हैं संदीप ने मुराद को छोड़ भूषण का हाथ थाम लिया और उनके साथ सिर्फ 'एनिमल' ही नहीं बल्कि 'एनिमल पार्क' और 'स्पिरिट' की भी डील कर ली। संदीप रेड्डी वंगा ने फिल्म 'एनिमल' में अपने भाई प्रणय रेड्डी वंगा को भूषण कुमार के साथ सह निर्माता बनाया। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ था जब फिल्म के मूल निर्माता मुराद खेतानी ने फिल्म की कमाई में वाजिब हिस्सा न मिलने पर अदालत में याचिका लगा दी। अपनी याचिका में मुराद ने फिल्म के ओटीटी और अन्य राइट्स बेचने की गुहार लगाई थी। इस बारे में अदालत में सुनवाई के दौरान ही टी सीरीज ने मुराद खेतानी के साथ अदालत के बाहर समझौता कर लिया।

राम की तरह भाई आकाश और मां जैसी बहन ईशा अनंत अंबानी बोले- मैं खुद को मानता हूं हनुमान

नई दिल्ली । अपने प्री-वेडिंग फंक्शन की तैयारी कर रहे अनंत अंबानी ने मीडिया से एक्सक्लूसिव बातचीत की. उन्होंने अपने परिवार, रेस्क्यू और रिहैबिलिटेशन सेंटर 'वनतारा' के विजन और राधिका मर्चेंट के साथ अपनी शादी पर दिल खोलकर बात की. अनंत ने ये भी बताया कि 'अंबानी' होना कैसा होता है और वो अपने दादा धीरुभाई अंबानी और पिता मुकेश अंबानी की विरासत को संभालने का प्रेशर महसूस करते हैं या नहीं. इस बातचीत में, अनंत अंबानी को बताया गया कि उन्हें बहुत लोगों का मानना है कि वो अपने दादा जैसे हैं. अंबानी परिवार की विरासत के सबसे छोटे उत्तराधिकारी अनंत, इस बात से काफी अभिभूत नजर आए. उन्होंने कहा कि ये बहुत बड़ा कॉम्प्लीमेंट है और उन्हें नहीं लगता कि वो अभी उस स्टार तक पहुंचे हैं. उन्होंने आगे कहा कि वो बस अपने दादाजी के कदमों पर चल रहे हैं और उनकी विशाल विरासत को संभालना, और देश की सेवा करना अपनी जिम्मेदारी समझते हैं.

'अंबानी' होने का प्रेशर जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें अंबानी साम्राज्य का हिस्सा होने का प्रेशर महसूस होता है? तो अनंत मुस्कुराए और बोले, 'कोई प्रेशर नहीं है. मैं जो भी करूंगा, अपने दिल से करूंगा और ईश्वर जो चाहेगा, आखिरकार वही होगा. आप अपना साम्राज्य प्लान नहीं कर सकते. मैं बस अपने पिता के विजन को फॉलो करता हूं क्योंकि यही मुझे आगे बढ़ने में मदद

करेगा.' मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे ने बताया कि उनके 'बिजनेस लीडर' पिता अपने बच्चों के लिए एक दोस्त की तरह रहते हैं. उन्होंने बताया, 'वो बिल्कुल भी स्ट्रिक्ट नहीं हैं. किसी भी पारम्परिक गुजराती परिवार की तरह, हम उनका बहुत सम्मान करते हैं. मैं ये सबकुछ सिर्फ उनके सपोर्ट की वजह से ही खड़ा कर पाया.'

आकाश और ईशा अंबानी से बॉन्डिंग
अनंत ने अपने भाई आकाश अंबानी और बहन ईशा अंबानी से अपने बॉन्ड पर भी बात की और दोनों को अपना 'सलाहकार' बताया. अनंत ने बताया कि वो दोनों उनसे बड़े थे और पहले कॉलेज चले गए थे, इसलिए उन्हें अपने पेरेंट्स के साथ सबसे सबसे ज्यादा वक्त बिताने का मौका मिला. उन्होंने आगे कहा, 'हमारे बीच कोई कॉम्पिटीशन नहीं है, वो मेरे सलाहकार जैसे हैं. मैं खुद को उनका हनुमान कहता हूं, क्योंकि मैं सारी जिंदगी उनकी सलाह पर चलना चाहता हूं.' अंबानियों की पिछली पीढ़ी- मुकेश और अनिल के अलगाव की बात निकलने पर अनंत ने कहा कि उन्हें ऐसा कुछ होने की चिंता नहीं है, क्योंकि उनमें और उनके भाई-बहन में बहुत ज्यादा प्यार है. 'वो दोनों मुझसे बड़े हैं. मैं उनका हनुमान हूं, मेरे भाई मेरे लिए राम हैं और मेरी बहन मेरे लिए मां जैसी हैं. उन दोनों ने हमेशा मुझे प्रोटेक्ट किया है. हम लोग फेवीक्विक से जुड़े हुए हैं' अनंत ने हंसते हुए कहा. अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट, इस साल जुलाई में शादी करने वाले हैं. इससे पहले दोनों के परिवार जामनगर में 3 दिन का एक शानदार प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन करने वाले हैं. कई बॉलीवुड सेलेब्स, स्पोर्ट्स पर्सनालिटी और बिजनेस लीडर इस सेलिब्रेशन में शामिल होने वाले हैं.

प्रभारी जगदीश अग्रवाल ने कहा लोकसभा चुनाव में प्रत्येक कार्यकर्ता करे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन

लोकसभा चुनाव संचालन हेतु शाजापुर विधानसभा के कार्यालय का हुआ उद्घाटन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी जिला शाजापुर के शाजापुर विधानसभा का लोकसभा चुनाव कार्यालय का जिला भाजपा कार्यालय पर हुआ। कार्यालय के शुभारंभ अवसर सभी कार्यकर्ताओ ने शाजापुर विधानसभा प्रचंड बहुमत से जिताने का संकल्प लिया।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विजय जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 की दृष्टि से शाजापुर विधानसभा में होने वाली चुनावी गतिविधियों को संचालित करने के लिए केंद्र के रूप में शाजापुर जिला कार्यालय पर शाजापुर विधानसभा का कार्यालय बनाया है, जिसका शुभारंभ गुरुवार को लोकसभा चुनाव के प्रभारी जगदीश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक की अध्यक्षता में हुआ। विशेष अतिथि के रूप में लोकसभा संयोजक बहादुर सिंह मुकाती, शाजापुर विधायक अरुण भीमावद, पूर्व विधायक पुरषोत्तम चंद्रवाशी, लोकसभा विस्तारक अशोक यादव, लाभार्थी संपर्क अभियान के संयोजक मनीष सोलंकी, किरण ठाकुर उपस्थित थे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम भारत माता, डा श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अग्रवाल ने कार्यालय के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए कहा की आज भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के कारण आज हमारा भारत विश्व पटल पर एक नए भारत की ओर बढ़ रहा है। आज सैन्य संसाधनों के मामले में विश्व में एक बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है और उसका कारण है देश का मजबूत नेतृत्व। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने आज भारत देश को नई दिशा प्रदान करने का काम किया है और मोदी जी के सपनो को और मजबूत करने के लिए हमे 2024 के लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की प्रचंड जीत दर्ज करवाना है।

उन्होंने कहा की केंद्र और राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं के माध्यम से आम व्यक्ति के जीवन स्तर को ऊंचा करने का काम किया है और अभी केंद्र के आव्हान पर लाभार्थी संपर्क के माध्यम से हम सभी कार्यकर्ताओ को सरकार की योजना का लाभ लेने वाले व्यक्ति के पास पहुंचना है और सरकार की योजना के बारे में बात कर उसकी जानकारी और सेल्फी संगठन एप पर अपलोड करना है। लोकसभा संयोजक बहादुर सिंह मुकाती ने कहा कि कार्यालय कार्य को सुचारू रूप से संपन्न करने का सशक्त माध्यम होता हैद्य कार्यालय में कार्यकर्ता आगामी कार्यों की कार्य योजना बनाते हुए बूथ स्तर पर उन कार्यों को संपन्न करेंगेद्य कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नायक एवं विधायक श्री भीमावद, पूर्व विधायक श्री चंद्रवंशी ने भी संबोधित करते हुए आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी के पक्ष में वोट प्रतिशत बड़ाने के साथ भाजपा को ऐतिहासिक बहुमत से विजय दिलाने की बात कही। इस अवसर पर जिले के पदाधिकारी, मंडल के पदाधिकारी सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री दिनेश शर्मा ने किया तथा आभार जिला महामंत्री संतोष बराड़ा ने माना।

हाथ भट्टी से बनी अवैध कच्ची शराब के ठिकानों पर एनकेजे पुलिस की दबिश

75 लीटर देशी महुआ शराब की जप्त, 1400 किलोग्राम महुआ लाहन किया नष्ट

सुनील यादव। सिटी चीफ कटनी, एनकेजे पुलिस ने अवैध कच्ची हाथ भट्टी से बनी शराब के ठिकानों में दबिश देकर 75 लीटर देशी महुआ कच्ची शराब जप्त की है अनुमानित कीमत 11250 रुपए बताई जा रही गई । साथ ही 1400 किलोग्राम महुआ लाहन नष्ट किया गया है। एनकेजे थाना प्रभारी नीरज दुबे ने बताया कि-पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन निर्देशन पर हाथ भट्टी से बनी अवैध कच्ची शराब के ठिकानों ने दबिश देकर कार्यवाही की है। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि गोपाल साहू के खेत मे रपटा नदी के पास कुछ लोग बड़ी मात्रा में हाथ भट्टी चढ़ा कर महुआ शराब बना रहे है।पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश थी। पुलिस को आता देख आरोपी भागने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया है। आरोपी विजय निषाद पिता राजकुमार उम्र 32 वर्ष के पास से 75 लीटर देशी महुआ कच्ची शराब कीमत 11250 रुपए जप्त कर धारा 34(2)आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। साथ ही मौके पर ही 14000 किलोग्राम महुआ लाहन को नष्ट किया गया है। जिनकी अनुमति कीमत140000 बताई जा रही है।

एसबीआई द्वारा चलाई जा रही बीमा योजना

बीमा धारक के परिवार को बिरला कॉलोनी 4909 ब्रांच ने किया 4 लाख का भुगतान

विवेक कुमार मिश्रा। सिटी चीफ सतना, सतना बिरला कॉलोनी भारतीय स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के द्वारा चलाई जा रही बीमा योजना के तहत बीमा धारक के परिवार को चार लाख रुपए की राशि भुगतान किया गया है, एसबीआई के बिरला शाखा के राघवेंद्र प्रताप सिंह के द्वारा दुर्घटना बीमा योजना की पॉलिसी ली गई थी राघवेंद्र प्रताप सिंह की 15 नवंबर 2023 को दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी एसबीआई 4909 ने राघवेंद्र प्रताप सिंह की पत्नी श्रीमती प्राची सिंह जी को 4 लाख दुर्घटना बीमा राशि का चेक भुगतान किया है, एसबीआई बिरला कॉलोनी 4909 के ब्रांच मैनेजर अभिषेक सिंह एवं ब्रांच के समस्त स्टाफ कर्मचारियों तथा एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के डेट मैनेजर पवन श्रीवास्तव जी के द्वारा चार लाख रुपए चेक दिया गया इससे परिवार का दुख तो कम नहीं किया जा सकता लेकिन थोड़ी बहुत आर्थिक सहायता मदद प्रदान की जा सकेगी।

रिश्वत मांगने वाले वरिष्ट कृषि विकास अधिकारी को न्यायालय ने सुनाई 04 वर्ष की सजा

मृदा परीक्षण की राशि का भुगतान करने के ऐवज में मांगी गई थी रिश्वत

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम डॉ. आरती शुक्लाव पांण्डेशय जिला दमोह मंधाती कुम्हाभर आयु करीब 64 वर्ष आत्मयज-लूटू कुम्हाणर तत्कालीन वरिष्टं कृषि विकास अधिकारी तेंदूखेडा जिला दमोह (मप्र) निवासी ग्राम बगौरा पोस्ट शाह तहसील जतारा जिला टीकमगढ (मप्र)। आरोपी मंधाती कुम्हारर को दोषसिद्ध पाते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन - 2018) की धारा 7 मे 4 वर्ष (चार वर्ष) के सश्रम कारावास तथा 5000 /- (पांच हजार रूपये) के अर्थदण्ड एवं अर्थदण्ड की राशि अदा करने के व्यतिक्रम की दशा में 6 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतान किये जाने हेतु दंडित किया गया है। घटना का विवरण- दिनांक 18.04.19 को आवेदक कृष्ण कुमार मनीष साहू एवं आकाश केवट ने अनावेदक मंधाती कुम्हार (वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी तेंदूखेडा जिला दमोह) के विरुद्ध एक शिकायत पत्र मृदा परीक्षण के सबंध में किये गये कार्य के संबंध में भुगतान करने के लिए 6000रू रिश्वत की मांग की जा रही है। इस आशय का पुलिस अधीक्षक महोदय लोकायुक्त सागर के समक्ष प्रस्तुत किया गया । आवेदक द्वारा कि गई शिकायत की तसदीक पश्चाकत ट्रेप का आयोजन किया गया एवं ट्रेप के दौरान आरोपी मंधाती से दी गई रिश्वतत राशि 5000/- रूपया बरामद की गई विवेचना में संकलित भौतिक मौखिक एवं इलेक्ट्रागनिक अभिलेखीय साक्ष्य5 के आधार पर आरोपी मंधाती कुम्हार कृषि विकास अधिकारी तेदूखेडा जिला दमोह के द्वारा अपराध धारा 7,13(1) बी. 13(2) पी.सी. एक्ट 1988 संशो. अधि. 2018 कारित किया जाना प्रमाणित पाया जाने से प्रकरण की विवेचना पूर्ण होने पर आरोपी मंधाती कुम्हार विरूद्ध चालान तैयार किया जा कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। दस्तावेजी साक्ष्य एवं मौखिक साक्ष्य व अभियोजन द्वारा प्रस्तुत तर्को से सहमत होकर माननीय न्यायालय द्वारा 29/02/2024 को पारित निर्णय में आरोपी आरोपी मंधाती कुम्हार को दण्डित किया गया।

अभियोजन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक अनंत सिंह ठाकुर द्वारा प्रभारी जिला अभियोजन अधिकारी कैलाश चंद पटेल के मार्गदर्शन में की गई एवं प्रकरण में विवेचना निरीक्षक वी.एम.द्विवेदी द्वारा की गई।

मध्य प्रदेश को मिला लेपर्ड स्टेट का दर्जा, अगले ही पल हुई तेंदुआ की मौत

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ रीवा शहडोल मार्ग पर मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर, रोहनिया गांव के पास सड़क दुर्घटना में एक तेंदुए की मौत हो गई। वन विभाग की निपानिया चौकी से महज 500 मीटर की दूरी पर हुई इस घटना के बाद वन्यजीवों की सुरक्षा और निगरानी के मामले में वन विभाग के मैदानी अमले की लापरवाही लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

मानव श्रृंखला बनाकर नव मतदाताओं को किया जायेगा जागरूक

दमोह में लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के दिये गये निर्देशों

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने एवं नव मतदाताओं को वोट के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में विभिन्न स्वीप गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दमोह जिले के पीजी कॉलेज दमोह, डॉ. विजय लाल स्मृति महाविद्यालय दमोह, शासकीय महाविद्यालय जबेरा, शासकीय महाविद्यालय हटा, शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा, शासकीय महाविद्यालय बटियागढ़, टाइम्स कॉलेज दमोह, ओजस्वनी फॉर एक्सीलेंस महाविद्यालय द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने का संदेश कैंपस एम्बेसडरों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर जागरूकता का संदेश दिया गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में 14 करोड़ 83 लाख रुपए के 107 विकास निर्माण कार्यों का हुआ शिलान्यास और भूमि पूजन

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, अब चीज धीरे-धीरे बदल रही है और आप भी कोशिश करें कि जो आपसे जुड़े हैं ऐसे किसान भाइयों को भी उसका लाभ मिले। सारी चीजों को ध्यान रखकर करेंगे तो हमारा देश बहुत तरक्की करेगा। हमारा देश गांव का देश है, गांव तरक्की करेगा तो जिला तरक्की करेगा और प्रदेश तरक्की करेगा और फिर देश तरक्की करेगा, हमारी मूल इकाई गांव है। आज 17 हजार करोड़ के विकास और निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा वर्चुअली किया जा रहा हैं, यह हमारे लिए गौरव की बात हैं। इस आशय के विचार पूर्व मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया ने विकसित भारत विकसित मध्यप्रदेश अंतर्गत तहसीलग्राउड दमोह में जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान कही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होंने कहा जो गरीब है और गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं उनको भी लाभ इसलिए मिलना चाहिए जिससे की वे पुन- गरीबी रेखा के नीचे न चले जाएं। उन्होंने कहा जिस तरीके से हमारी इकोनॉमी ग्रो कर रही है, देश की जीडीपी बढ़ रही है। जैसे कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हमारा देश भी 2047 तक एक विकसित देश होगा, जो की आने वाली पीड़िया देखेंगी। इस देश के चार करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के घर मिले हैं। राजस्व अधिकारियों से आग्रह करते हुए कहा अभी हमारे जिले के कई भागों में ओलावृष्टि हुई है, रिपोर्ट प्रशासन को और शासन के पास भेजना चाहिए जिससे उन किसानों को मदद मिल सके, यह बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा 80 करोड लोगों के लिए निशुल्क राशन दिया जा रहा है प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि अगले 5 वर्ष और राशन मुफ्त दिया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वीसी के माध्यम से मध्यप्रदेश में 17,000 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को देखा व सुना गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष प्रीति कमल सिंह ठाकुर, गुड्डू पटेल, संतोष रोहित, रमन खत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपनी बातें विस्तार से रखी। इस अवसर पर दमोह जिले के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग सहित अन्य विभागों के लगभग 107 कार्यों का 14 करोड़ 83 लाख रुपए के विभिन्न विकास निर्माण कार्यों का शिलान्यास और भूमि पूजन संपन्न हुआ।

दमोह जिला अस्पताल में नि:शुल्क हृदय रोग जांच शिविर का होगा आयोजान

डीईआईसी में 2 मार्च को आयोजित होगा शिविर

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, 02 मार्च 2024 को जिला चिकित्सालय परिसर के ''डीईआईसी बाल संजीवनी भवन'' में नि:शुल्क हृदय रोग जांच शिविर आयोजित किया जायेगा। इस संबंध में सीएमएचओ डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने बताया कि जिले में आरबीएसके दल द्वारा चिहांकित 0 से 18 वर्ष के हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की जांच शिविर में की जायेगी। सिविल सर्जन डॉ. राजेश नामदेव ने बताया कि ऐसे बच्चे जो कि अधिक कमजोर है, शीघ्र थक जाते है, जिनकी सांस फूलती है, सांस लेने में तकलीफ होती है, ओठ या नाखून नीले पड़ जाते है, वे इस शिविर में आकर नि:शुल्क जांच करा सकते है। शिविर में प्रात- 10 बजे से दोपहर 02 बजे बजे तक जांच की जायेगी। नोडल अधिकारी आरबीएसके डॉ. जलज बजाज ने आमजन से आग्रह करते हुये कहा है कि यदि आपके परिवार या आस-पास ऐसे कोई बच्चे है, जोकि हृदय रोग से पीड़ित है या इससे संबंधित कोई लक्षण हों, तो उन्हें इस शिविर में लाकर नि:शुल्क जांच अवश्य करायें।

दमोह में राष्ट्रीय जन्मजात विकृति रोग जगरूकता दिवस का होगा आयोजन

1 मार्च से 31 मार्च 2024 तक चलेगा अभियान

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, सीएमएचओ डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने बताया की लोगों में जन्मजात विकृति की शीघ्र पहचान एवं उपचार हेतु 01 से 31 मार्च 2024 तक राष्ट्रीय जन्मजात विकृति जन जागरूकता दिवसों का आयोजन कर लोगों की बीमारी को शीघ्र पहचान एवं उपचार संबंधी जागरूक किया जायेगा ताकि सभी बच्चों को क्वालिटी आफ लाईफ मिल सकें व रोग से लाचार न रहें। उन्होंने बताया शासन द्वारा लोगों को स्वास्थ्य सुविधाऐं प्रदाय करने अनेक योजनाऐं चलायी जा रही है। इसी में से एक योजना राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत आयुष मेडिकल टीम गॉव-गॉव जाकर 0-18 वर्ष के बच्चों की स्क्रीनिंग कर 9 प्रकार के जन्मजात विकृति का पता लगाकर उपचार दिलाने में मदद कर रही है। यही कारण है कि आयुष चिकित्सक दल व डीईआईसी के सहयोग से प्रदेश के अंदर एवं प्रदेश के बाहर कुल 386-हृदय रोग, 19-न्यूरल ट्यूव डिफेक्टर, 31-जन्मजात बहरे, 396-कटे-फटे होठ एवं तालू के, 1145-जनरल सर्जरी के, 13-मोतियाबिंद के, 376-तिरछे पैर के बच्चों की प्लास्टर, एवं आवश्यकतानुसार सर्जरी सफलतापूर्वक करायी जा चुकी है। साथ ही 11013 बच्चों को चश्मे एवं 07-बच्चों को ट्राईसाईकल, 123 बच्चों को श्रवण यंत्र 24-बच्चों को दिव्यांग प्रदाय कराने में सहयोग प्रदाय किया गया। इसी तरह 526 बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण-पत्र प्राप्त हेतु जरूरी सहयोग प्रदान किया गया है।

पन्ना में सड़क किनारे जा रहा था व्यक्ति, वृद्ध व्यक्ति को रौंदते हुए निकल गया ट्रक

राम नरेश विश्वकर्मा। सिटी चीफ पन्ना, अमानगंज तहसील से महज 2 किलोमीटर कि दूरी पर अमानगंज सिमरिया रोड पर एक अज्ञात ट्रक ने वृद्ध व्यक्ति को रोन्द दिया जिसके कारण मृतक रामनाथ चौबे निवासी महोड़ तहसील पवई कि घटना स्थल पर ही मौत हो गयी. मृतक आपने भाई के साथ अमानगंज कि ओर जा रहे थे तभी तेज रफ़्तार अज्ञात ट्रक ने रामनाथ चौबे को टक्कर मार दी।टक्कर मारने वाला अज्ञात ट्रक मौके से फरार हो गया।घटना से गुस्साए परिजन शव को लेकर बीच सड़क पर धरने पर बैठ गये। इस गंभीर घटना को देखते हुये क्षेत्रीय लोगो का गुस्सा फूट पड़ा।और सड़क को जाम कर दिया।जिसके चलते सड़क पर लम्बा जाम लग गया।मामले कि गंभीरता को देखते हुये गुनौर एसडीओपी, नायब तहसीलदार, अमानगंज, सिमरिया, गुनौर कि पुलिस मौके पर पहुंची।मृतक परिजनों ओर मौजूद जनता ने पन्ना कलेक्टर के नाम ज्ञापन देते हुये सम्बंधित ट्रक चालक पर कार्यवाही कि मांग कि साथ ही जेके सीमेंट कम्पनी मे परिवार के एक सदस्य को नौकरी, सड़क चौड़ीकारण,चिन्हित घटना स्थलों पर सीसीटीव्ही कैमरा आदि कि मांग कि।घटना कि जानकारी लेते हुये प्रशासनिक अधिकारियो ने परिजनों को उचित मुवावजा और सम्बंधित वाहन चालक पर कार्यवाही करने कि बात कही।साथ ही जाम को खुलवाया।गौरतलब हैं कि देवरा मे जेके सीमेंट के खुलने के बाद से ही कंपनी के वाहनों द्वारा अनेक बार इस तरह कि गंभीर सड़क दुर्घटनाये हुयी हैं जिसमे कई व्यक्ति एवं जानवर असमय काल के गाल मे समा गये हैं बाबजूद इसके प्रशासन के द्वारा आज तक कंपनी व अन्य बड़े वाहनों पर कोई ठोस कार्यवाही नही कि गयी हैं।जिसके चलते ओर न जाने ये ट्रक कितनी जिंदगी को रोदने का काम करेंगे।

आज भारतीय प्रौद्योगिकी भारत ही नहीं वरन पूरे विश्व को विकसित बना रही

रमन प्रभाव एवं महत्वपूर्ण भारतीय तकनीकों को फिल्मों के माध्यम से दिखाया गया

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल के मार्गदर्शन में शासकीय सरदार पटैल माध्यमिक विद्यालय दमोह में के श्रीकांत नेहरू युवा मंडल के सहयोग से आयोजित किया गया।प्रथम चरण में सुबह 10.30से राज्य स्तर से कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण में सहभागिता कर शिक्षकों, रिसोर्स पर्सन एवं छात्रों ने सहभागिता की।तत्पश्चात स ी वी रमन के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।इसके बाद निबंधलेखन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।तत्पश्चात स्त्रोत व्यक्तियों द्वारा स्वदेशी तकनीकों पर अपने विचार प्रस्तुत किये।मेघा श्रीवास्तव बायो टेक्नोलॉजी विभाग ने कहा कि आज भारतीय प्रौद्योगिकी भारत ही नही वरन पूरे विश्व को विकसित बना रही है।पंकज सेन द्वारा आई टी के क्षेत्र में भारतीय तकनीको के योगदान पर व्याख्यान दिया।मुकेश तिवारी कार्यक्रम समन्वयक द्वारा चिकित्सा क्षेत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी के योगदान पर अपने विचार रखे।इसके बाद छात्रों को पुरुस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गए।अंत मे छात्रों को फिल्मों के माध्यम से स ी वी रमन के साथ महान भारतीय वैज्ञानिकों एवं भारतीय तकनीकों का महत्व बताया गया।इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सी के जैन,उदय घोष, रजनी नामदेव,कीर्ति सिंह, अकील खान,अविनाश तिवारी,रोशनी श्रीवास्तव, अभिलाषा असाटी,तारा अहिरवाल,दुर्गा रोहितास,काशीराम अहिरवाल का सहयोग रहा।

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान ने सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में से सिर्फ दमोह जिले के लिए सर्वे के लिए चुना

कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने दी विस्तार से जानकारियां

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर मयंक अग्रवाल की अध्यक्षता में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की गठित टीम के साथ कलेक्टर चैम्बर में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य बदलते दमोह पर सर्वे करना हैं। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के अध्यक्ष एवं पूर्व चीफ सेकेट्री मणीपुर के के सेठी ने बताया सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के जिलों में से दमोह जिले को सर्वे हेतु भारतीय लोक प्रशासन संस्थान ने चुना हैं। यह दमोह के लिए गर्व की बात होगी। बदलते दमोह की तस्वीर को सबके सामने लाया जायेगा। पुराना दमोह और आज का दमोह में क्या-क्या विकास हुआ हैं, जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने बताया यहां पर हर घर जल से जिले में बहुत बदलाव आये हैं, जिससे लोगों के लिए नया जीवन मिला हैं। मेडीकल कॉलेज का काम चल रहा हैं जिससे स्वास्थ्य सबंधी बदलाव देखने को मिलेगें। साथ ही नौरादेही अभ्यारण भारत का सबसे बड़ा अभ्यारण प्रस्तावित हैं, जिसमें अब तक की प्रगति से कलेक्टर ने अवगत कराया। इस मौके पर उपाध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी मध्यप्रदेश नरेन्द्र प्रसाद, सचिव एवं पूर्व सचिव मध्यप्रदेश डी पी तिवारी और सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे।

गैसाबाद थाना क्षेत्र के चर्चित गांजा मामले में फैसला

अवैध गांजा लिए एवं गांजा विक्रय करने वाले आरोपीगण को न्यायालय द्वारा किया गया दण्डित

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, अभियोजन मामला संक्षेप में इस प्रकार हैं कि घटना दिनांक 30.10.2020 को थाना कोतवाली से राजेंद्र मुंशी एवं तीन अन्य पुलिसवालों के साथ मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त होने पर कुम्हारी से नकदी तिराहा पर गैसाबाद की ओर गए जहा से एक चार पहिया गाड़ी में
तीन व्यक्ति गोपारंजनपटनायक, सोमनाथ पटनायक एवं लीटू साहू निवासी उड़ीसा बैठे मिले गाड़ी गोपारंजन चला रहा था और दो अन्य व्यक्ति जिसमे से एक अपनी गोद में काले रंग के बेग में और एक पीछे प्लास्टिक की थैली में कुछ रखे थे तीनो व्यक्ति उड़ीसा के होने से संदेह हुआ जिससे उनके बेग व पैकेट की तलाशी ली जिसमे 3 किलो गांजा मिला और पूछताछ करने पर बताया कि 10 किलो गांजा श्यामलाल को बेचकर आये है 7 पूछताछ में कोई लायसेंस न होने पर अभियुक्तण के विरूद्ध अपराध धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत दंडनीय पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना उपनिरीक्षक प्रशिता कुर्मी द्वारा आरोपी श्यामलाल से 1.5 किलो गांजा जप्त किया गया। न्यायालय में आई साक्ष्य और अभियोजन द्वारा प्रस्तुत तर्कों के आधार पर न्यायालय द्वारा आरोपीगण को दंडित किया गया। अभियोजन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजन अंशुल मिश्रा एवं सतीश कपस्या द्वारा प्रभारी जिला लोक अभियोजन अधिकारी कैलाश चंद पटैल के मार्गदर्शन में की गई मामले की विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी गैसाबाद सन्दीप दीक्षित द्वारा की गई थी,गाँजा कार्यवाही के दौरान कोतवाली थाना पुलिस और ग्रामीणों मे विवाद भी हुआ था आरोपियों- श्यामलाल पटैल - ग्राम खैरी, सोमनाथ पटनायक, लीटू साहू - फरार, गोपरंजन पटनायक फरार. तीनो निवासी सम्बलपुर उडीसा, आरोपी श्यामलाल एवं सोमनाथ को धारा 20(बी) (बी) एक्ट में 5-5 वर्ष की अवधि का कठोर कारावास एवं 20000-20000 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया।

कमिश्नर सागर संभाग सागर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत कलेक्टर मयंक अग्रवाल के साथ फसलों की स्थिति का किया अवलोकन

किसानो से की चर्चा, राजस्व अधिकारियों को दिए निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, बेमौसम हुई बरसात एवं ओला वृष्टि से फसलों के नुकसान की जानकारी प्राप्त होने पर कमिश्नर सागर संभाग सागर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत एवं कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने दमोह जिले अंतर्गत अनेक ग्रामों का दौरा कर खेतों में फसलों की स्थिति का अवलोकन किया। इस अवसर पर ग्राम जुझार, मुडारी सहित हिंडोरिया उप तहसील के अनेक ग्रामों का भ्रमण कर किसानों से चर्चा की। संभागायुक्त डॉ. रावत ने जुझार रियाना, मुड़ारी सहित अन्य गांवो में पहुंचकर खेतों में पहुँचे किसानों से चर्चा की, उनकी बाते सुनी।

डॉ. रावत ने किसानों से चर्चा करते हुये कहा मौके पर आपकी फसलों की क्षति देखने आये है। संभागायुक्त ने तत्काल सर्वे के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये। साथ ही फसल सर्वे कर राहत राशि वितरण के निर्देश दिए गये। इस अवसर पर ज्वाइंट कमिश्नर अनिल दुबे, तहसीलदार मोहित जैन, नायब तहसीलदार रघुनंदन चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बरवानी के राजपुर में संजीवनी किलनिक का किया गया उद्घाटन, नगर को मिली नई 2 सौगातें

अशोक राठौर। सिटी चीफ
बड़वानी, राजपुर आज हमारे नगर राजपुर को दी गई नई 2 सौगात जिसमें राजपुर के हाट बैडी एवं मां भवानी प्राचीन मंदिर गुजरी चौक में संजीवनी हॉस्पिटल का शुभारंभ नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शिखा विजय अग्रवाल जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता सरदार खन्ना नगर परिषद उपाध्यक्ष आकाश बर्मन नगर परिषद अधिकारी श्री मायाराम सोलंकी एवं नगर परिषद पाषर्दगंणो तोताराम धनगर कमल जिराती जावेद कुरेशी सांसद प्रतिनिधि सोनू करील भारतीय जनता पार्टी के पूर्व पार्षद अब्दुल रजाक मोटू सांसद प्रतिनिधि विजय अग्रवाल द्वारा आज दो संजीवनी हॉस्पिटल का लोकार्पण किया गया आम जनता निर्धन जनमानस के स्वास्थ्य की रक्षा करने के लिए एवं गरीब जनता को अपने नगर के समीप सुलभ और सस्ता व्यवस्थित इलाज दिलाने के लिए यह शोगात दी गई एक तरफ से देखा जाए तो आम जनता को घर बैठे इलाज की सुविधा दी गई है हमारे नगर परिषद के अध्यक्ष श्रीमती अग्रवाल द्वारा जो आम जनता गरीब जनता के स्वास्थ्य के प्रति जो उन्होंने ईसनेह और विश्वास दिखाया गरीब जनता और उनके परिवार के संपूर्ण सदस्यों के लिए स्वास्थ्य लाभ को ध्यान में रखते हुए नगर की जनता आसपास के ग्रामीण जनता के लिए के लिए जो सोगात दी गई आमजनता द्वारा अध्यक्ष महोदय जनप्रतिनिधियों को साधुवाद दिया गया वह धन्य है नगर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी है आम जनता को स्वास्थ्य सेवाएं दे रहा है स्वास्थ्य विभाग डॉ देवेंद्र रोमेडे साहब सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी नगर के वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष ओम जी सोनी पूर्व मंडल अध्यक्ष जीतू यादव भारतीय जनता पार्टी जिला महामंत्री अजय यादव भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष युवा कृष्णा धनगर वरिष्ठ नेता हुकुम गुप्ता संतोष बघेल नगर थाना टी आई साहब पत्रकार संघ उपाध्यक्ष जितेंद्र यादव मीडिया पत्रकार बंधु नाज मोहम्मद पायलट दिलावर खान राहुल गुप्ता राम गुप्ता बलवंत लोनारे अशोक राठौड़ पत्रकार कार्यक्रम में उपस्थित हुए आम जनता द्वारा उक्त कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया नगर परिषद के माध्यम से आज देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा करोड़ों की सौगात मध्य प्रदेश को दी गई उसका लाइव प्रसारण आजीविका कार्यालय राजपुर में दिखाए गया उपस्थित समस्त गणमान्य नागरिक एवं समाज सेवकों द्वारा उक्त कार्यक्रम को देखा गया लाइव कार्यक्रम में हमारे देश के गौरव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा जो शोगाते मध्य प्रदेश को दी गई वह बहुत ही सराहनीय है प्रदेश मध्य प्रदेश के ऊर्जावान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी द्वारा आम जनता के विकास उत्थान के लिए कई योजनाएं लाए हैं उन योजनाएं को सुचारू रूप से प्रदेश में संचालित करेंगे प्रधानमंत्री जी द्वारा जो मध्य प्रदेश और देश के विकास और उत्थान के लिए किसी प्रकार की कोई कोर कसर बाकी नहीं रहने दे रहे हैं देश राज्य के संपूर्ण विकास के लिए जो उनके द्वारा योजनाएं दी जा रही है उन योजनाओं से आम जनता के विकास और उत्थान होगा और देश राज्य की गरीब जनता इन योजनाओं का अधिक से अधिक फायदा लेंगे और अपने जीवन को आत्मनिर्भर बनकर देश के विकास और उन्नति में अपना सहयोग प्रदान करेंगे इसी अभिलाषा और अपेक्षा के साथ देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा जो आम गरीब जनता के हित के लिए जो योजनाएं संचालित की जा रही है वह गरीबों के लिए वह अमृत की बूंद के सामान संजीवनी है जिनसे गरीब जनता को नया जीवन प्रदान होगा और गरीब निर्धन जनता को गरीबी के इस दलदल भरे जीवन को उन्नति और विकास करने में कोई कसर बाकी नहीं रहने देंगे प्रधानमंत्री जी मानव जीवन के विकास के लिए अनेक जनता हितार्थ योजनाओं का संचालन करते हैं उन योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने और उनका उपयोग आम गरीब जनता करें इसके लिए शासन प्रशासन को निर्देशित किया गया है कि घर-घर तक जनता को केंद्र शासन और राज्य शासन के द्वारा जो योजना संचालित योजनाएं की जा जा रही हैं गरीब जनता को मिलना ही चाहिए उसके लिए हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं पुलिस प्रशासन नगरीय प्रशासन आंगनवाड़ी महिला बाल विकास अधिकारी द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाया गया.

दमोह में अंडाशय की बड़ी गांठ से पीड़ित थी महिला

आयुष्मान योजना के अन्तर्गत जिला अस्पताल में लाभान्वित कर किया गया सफल ऑपरेशन

***धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ** दमोह, महिला लंबे समय से अंडाशय की बड़ी गांठ से पीड़ित थी। जिसका सफल ऑपरेशन जिला अस्पताल में एम.सी.एच. इंचार्ज एवं वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ संगीता त्रिवेदी, शल्य क्रिया विशेषज्ञ डॉ उमेश तंतुवाय, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. सचिन एवं उनकी सहायक टीम तथा नर्सिंग ऑफिसर्स मनीषा एवं मीरा के सहयोग से किया गया। इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. राजेश नामदेव ने बताया अंडाशय की गाँठ का वज़न 2.4 किलोग्राम पाया गया है। महिला को आयुष्मान योजना के अन्तर्गत जिला अस्पताल दमोह में लाभान्वित किया गया है।*

एमपी के मैहर में नहीं हो रहा प्रशासनि आदेशों का पालन

प्रशासनिक आदेश पर भारी दबंगों की दबंगई

श्री निवास मिश्रा। सिटी चीफ मैहर, तहसीलदार के आदेश का पालन नहीं करवा पा रहा मैहर प्रशासन, भैंसासूर गांव के दबंगों द्वारा आम रास्ते पर किया गया कब्जा ग्रामीणों को हो रही भारी समस्या , तहसीलदार के आदेश के बाद भी अभी तक नहीं हटाया गया अतिक्रमण परेशान ग्रामीणों ने कलेक्टर महोदया से लगाई गुहार लिखित आवेदन के माध्यम से अपनी समस्याओं से कराया अवगत। ग्रामीणों ने बताया की पटवारी और आर आई द्वारा अप्रत्यछ रूप से की जा रही पैसों की मांग।

गाजा : मदद का इंतजार कर रही फलस्तीनी भीड़ पर इजराइली सैनिकों का हमला

100 से अधिक लोगों की मौत

इंटरनेशनल डेस्क: गाजा शहर में राहत सामग्री का इंतजार कर रही फलस्तीनी भीड़ पर बृहस्पतिवार को इजराइली सैनिकों के हमले में 100 से अधिक लोगों की मौत हो गयी। इसके साथ ही करीब पांच महीने पहले शुरू हुए इजराइल-हमास युद्ध में मरने वाले लोगों की संख्या 30 हजार से ज्यादा हो गई। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइली अधिकारियों ने स्वीकार किया कि सैनिकों ने गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि भीड़ से धमकी मिलने के बाद सैनिकों ने गोलीबारी की। सात अक्टूबर को हमास के हमले के जवाब में इजराइल के हवाई, समुद्री और जमीनी हमलों में गाजा शहर और पूरे उत्तरी गाजा को निशाना बनाया गया है। ये इलाके पूरी तरह से तबाह हो चुके हैं और कई महीनों से क्षेत्र से कट गए हैं, जहां न के बराबर सहायता पहुंच पा रही है। सहायता समूहों का कहना है कि गाजा के अधिकांश हिस्सों में मानवीय सहायता पहुंचाना लगभग असंभव हो गया है, जिसके पीछे एक बड़ा कारण हताश लोगों की भीड़ है, जो सहायता काफिलों पर हावी हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि गाजा के 23 लाख फलस्तीनियों की एक चौथाई आबादी भुखमरी का सामना करने को मजबूर है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल किदरा ने बताया कि बृहस्पतिवार को हुए हमले में कम से कम 104 लोग मारे गए जबकि करीब 760 लोग घायल हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, युद्ध में मरने वाले फलस्तीनियों की संख्या 30,035 हो गई है, जबकि 70,457 लोग घायल हुए हैं हालांकि आंकड़ों में नागरिकों और सैनिकों की संख्या का विवरण नहीं दिया गया है लेकिन मारे गए लोगों में महिलाओं और बच्चों की संख्या लगभग दो-तिहाई है।

बांग्लादेश की राजधानी में 7 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, 44 लोगों की मौत, दर्जनों घायल

ढाका- बांग्लादेश की राजधानी ढाका में गुरुवार देर रात एक सात मंजिला इमारत में आग लगने से कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इसके बारे में जानकारी दी। बांग्लादेश के स्वास्थ्य मंत्री सामंत लाल सेन ने ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल और निकटवर्ती बर्न अस्पताल का दौरा करने के बाद एएफपी को बताया, आग से अब तक 44 लोगों की मौत हो गई है। सेन ने कहा कि शहर के मुख्य बर्न अस्पताल में कम से कम 40 घायल लोगों का इलाज किया जा रहा है। अग्निशमन विभाग के अधिकारी मोहम्मद शिहाब ने कहा कि आग ढाका के बेली रोड के एक लोकप्रिय बिरयानी रेस्तरां में गुरुवार रात 9-50 बजे (1550 त्रस्ञ्ज) लगी और तेजी से ऊपरी मंजिलों तक फैल गई, जिससे कई लोग फंस गए। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मियों ने दो घंटे में आग पर काबू पा लिया। अग्निशमन सेवा के एक बयान में कहा गया है कि उन्होंने 75 लोगों को जीवित बचाया। बता दें बेली रोड की इमारत में मुख्य रूप से रेस्तरां के साथ-साथ कई कपड़े और मोबाइल फोन की दुकानें हैं। सुरक्षा नियमों को लागू करने में ढिलाई के कारण बांग्लादेश में अपार्टमेंट इमारतों और फैक्ट्री परिसरों में आग लगना आम बात है। जुलाई 2021 में, एक खाद्य प्रसंस्करण कारखाने में आग लगने से कई बच्चों सहित कम से कम 52 लोग मारे गए थे।

पाक की 16वीं नेशनल असेंबली के उद्घाटन सत्र में 302 नवनिर्वाचित सांसदों ने ली शपथ

इस्लामाबाद: पाकिस्तान की 16वीं नेशनल असेंबली के उद्घाटन सत्र में गुरुवार को कुल 302 नवनिर्वाचित सांसदों ने शपथ ली। नेशनल असेंबली सचिवालय की ओर से एक अधिसूचना जारी की गई। नेशनल असेंबली या देश की संसद के निचले सदन के अध्यक्ष राजा परवेज अशरफ ने नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई। अशरफ ने कहा कि पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा 336-सदस्यीय सदन में विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों और आरक्षित सीटों से जीतने वाले उम्मीदवारों की कुल 310 अधिसूचनाएं जारी की गई हैं, जबकि शेष अभी भी प्रतीक्षित, रोके हुए या विलंबित हैं। शपथ ग्रहण समारोह के बाद, नयी सरकार के गठन से पहले अगला कदम नेशनल असेंबली के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव है, जो 01 मार्च को होगा। नेशनल असेंबली सचिवालय ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री का चुनाव तीन मार्च को किया जाएगा और नए प्रधानमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह भी उसी दिन आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री के चुनाव के लिए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी), पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और कुछ छोटे दलों को मिलाकर एक बहुदलीय गठबंधन बनाया गया है।

रूस ने पेट्रोल और गैसोलीन पर के निर्यात पर लगाया बैन, भारत की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

इंटरनेशनल डेस्क: रूस ने पेट्रोल और गैसोलीन पर अगले छह महीने के लिए निर्यात पर बैन लगा दिया है। जानकारी के मुताबिक, रूस में पेट्रोलियम पदार्थों की कमी के कारण यह फैसला लिया गया है। इससे आने वाले दिनों में भारत में पेट्रोल की कीमतें बढ़ सकती है। दरअसल, भारत बड़ी मात्रा में रूस से सस्ते दामों पर कच्चे तेल का आयोत करता है। उपभोक्ताओं और किसानों की गैसोलीन की बढ़ती मांग की भरपाई करने और रिफाइनरियों के मेंटेनेंस को प्लान करने के लिए ये फैसला लिया गया है। रूस के उप प्रधान मंत्री एलेक्जेंडर नोवाक के प्रवक्ता ने इस बात की जानकारी दी। ऊंची घरेलू कीमतों और कमी से निपटने के लिए रूस ने पिछले साल सितंबर और नवंबर के बीच भी इसी तरह का प्रतिबंध लगाया था। जिसमें केवल चार पूर्व-सोवियत राज्यों - बेलारूस, कजाकिस्तान, आर्मेनिया और किर्गिस्तान - को छूट दी गई थी। लइस बार ये प्रतिबंध यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के सदस्य देशों पर लागू नहीं होगा। मंगोलिया, उज्बेकिस्तान और जॉर्जिया के साथ ही दो रूसी समर्थित दक्षिण ओसेशिया और अबखाज़िया पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होगा। उप प्रधान मंत्री एलेक्जेंडर नोवाक ने बैन के संबंध में प्रधान मंत्री को एड्रेस किया था। 21 फरवरी को लिखे एक पत्र में नोवाक ने कहा कि घरेलू बाजार में ईंधन की मांग जल्द ही बढ़ेगी, जिसके कारण ये बैन लगना जरूरी है। अमेरिका ने रूस के खिलाफ लिया सख्त फैसला रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को दो साल पूरे होने के बाद अमेरिका ने रूस के 500 से अधिक नए प्रतिबंधों का ऐलान किया। जिसके बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि आर्कटिक क्षेत्र के नेता एलेक्सी नवलनी की मौत के बाद ये नए प्रतिबंध लगाए गए हैं। नवलनी की मौत के लिए रूसी सरकार को जिम्मेदार बताया जा रहा है। जिसके बाद अमेरिका ने नवलनी के कारावास की सजा से संबंधित व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगा दिया।

मार्च महीने के पहले दिन लोगों की टूटी कमर सिलेंडर हुआ महंगा, सामने आए नए रेट

नेशनल डेस्क- नए महीने की आज से शुरुआत हो गई है और महीने के पहले दिन यानी 1 मार्च को एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम एक बार फिर से बढ़ गए हैं। क्योंकि आज से ख्क्क सिलेंडर और जेट फ्यूल की कीमतों में इजाफा कर दिया है। नई दरें आज से ही लागू होंगी। ह्रस्ह्य ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। दिल्ली में ये 25 रुपये, तो वहीं मुंबई में 26 रुपये महंगा हो गया है। आइए जानते हैं नए रेट के बारे में।

19 किलोग्राम वाले सिलेंडर हुए महंगे

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के लगातार दूसरे महीने 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव कर के महंगाई के तगड़ा झटका दिया है। पिछले महीने यानी 1 फरवरी 2024 को बजट वाले दिन सिलेंडर में 14 रुपये का इजाफा होने के बाद अब सिलेंडर के दाम में 25 रुपये की और बढ़ोतरी हुई है। ढ्ढह्रष्टरुकी वेबसाइट पर बदले हुए रेट जारी कर दिए गए हैं, जो कि 1 मार्च 2024 यानी आज से लागू हैं। नए रेट के मुताबिक, राजधानी दिल्ली में कॉमर्शियल सिलेंडर 1795 रुपये में मिलेगा, जबकि कोलकाता में यह सिलेंडर अब 1911 रुपये का हो गया है। मुंबई में कॉमर्शियल सिलेंडर का रेट बढ़कर 1749 रुपये, जबकि चेन्नई में 1960.50 रुपये हो गया है। फरवरी में थी सिलेंडर ये कीमत इससे पहले हुए बदलाव के तहत दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का दाम 1755.50 रुपये से बढ़कर 1769.50 रुपये कर दिया गया था। वहीं अन्य महानगरों की बात करें तो कोलकाता में एक सिलेंडर 1869.00 रुपये से बढ़कर 1887 रुपये का कर दिया गया था। मुंबई में पहले जो कॉमर्शियल सिलेंडर 1708 रुपये का मिल रहा था, वो अब 1723 रुपये का हो गया था। वहीं चेन्नई में इसकी कीमत 1924.50 रुपये से बढ़कर 1937 रुपये हो गई थी।

कब मिली थी दाम में राहत

जहां एक ओर लगातार दो महीने से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ रही हैं, तो वहीं साल 2024 की शुरुआत यानी जनवरी महीने की पहली तारीख को इसमें कुछ राहत मिली थी।

लोकसभा चुनाव में दिल्ली से तीन नए चेहरे उतार सकती है भाजपा

नेशनल डेस्क- दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस में सीट बंटवारे को लेकर बनी सहमति के बाद भाजपा अपने वर्तमान तीन सांसदों की जगह नए चेहरे चुनावी मैदान में उतार सकती है। पार्टी के सूत्रों का कहना है कि पार्टी अपने लोकसभा प्रतिनिधियों के प्रदर्शन पर लोगों से प्रतिक्रिया मांग रही है। फिलहाल राजधानी की सभी सात सीटों पर भाजपा का कब्जा है।

भाजपा जनता से फीडबैक लेने में जुटी

भाजपा के एक प्रवक्ता के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पार्टी को अपने उम्मीदवारों की घोषणा करने की कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी को नामों की घोषणा करने में एक महीने से अधिक का समय लग सकता है। इस बीच भाजपा के सूत्रों ने कहा कि 3 मौजूदा सांसदों को इस बार टिकट नहीं मिल सकता है क्योंकि पार्टी उनकी जगह नए चेहरों को लाने पर विचार कर रही है। एक अन्य भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को फीडबैक के लिए लोगों तक पहुंचने के लिए कहा गया है, जिसके आधार पर पार्टी अपने उम्मीदवारों का फैसला करेगी। कार्यकर्ताओं से भाजपा के घोषणापत्र के लिए लोगों से सुझाव लेने को भी कहा गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने हाल ही में 25 वाहनों को हरी झंडी दिखाई थी जो पार्टी के आउटरीच कार्यक्रम के तहत शहर में घूमेंगे। पार्टी का अभियान 15 मार्च को समाप्त होगा।

कांग्रेस के कौन हो सकते हैं उम्मीदवार

इस बीच कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि पार्टी अब केंद्रीय नेतृत्व के साथ नामों पर चर्चा के बाद उम्मीदवारों पर निर्णय लेगी। कांग्रेस राष्ट्रीय राजधानी में आप के साथ गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस के एक सूत्र के मुताबिक, पार्टी पूर्व सांसद उदित राज या दिल्ली के पूर्व मंत्री राज कुमार चौहान को आरक्षित उत्तर पश्चिम दिल्ली सीट से मैदान में उतारने पर विचार कर रही है। इस सीट से हंस राज हंस सांसद हैं। पार्टी उत्तर पूर्वी दिल्ली से संदीप दीक्षित को मैदान में उतार सकती है, इस सीट से उनकी मां और पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने 2019 में चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के मनोज तिवारी से हार गई थीं। दिल्ली कांग्रेस प्रमुख अरविंदर सिंह लवली भी इस सीट के लिए दावेदारी में हैं। लवली ने पिछले लोकसभा चुनाव में पूर्वी दिल्ली से भाजपा के गौतम गंभीर के खिलाफ चुनाव लड़ा था।

धनबाद में आयोजित समारोह में झारखंड को लगभग 36 हजार करोड़ की सौगात देंगे मोदी

रांची: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक मार्च को धनबाद में आयोजित समारोह में झारखंड को लगभग 36 हजार करोड़ की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री विशेष विमान से शुक्रवार दुर्गापुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। दुर्गापुर से हेलीकॉप्टर से शुक्रवार सुबह 10.45 बजे सिंदरी हेलीपैड पर उतरेंगे। धनबाद में आयोजित कार्यक्रम में झारखंड को 35,747 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं की सौगात देंगे। इस दौरान वे 8939 करोड़ रुपए की लागत वाले सिंदरी उर्वरक संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री रामगढ़ में कोयला परियोजना और बोकारो थर्मल पॉल्यूशन कंट्रोल सिस्टम का भी उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा पीएम मोदी ग्रैंड कॉर्ड लाइन पर सोननगर-अंडल के बीच तीसरी, धनबाद-चंद्रपुरा वैकल्पिक और चौथी लाइन और शिवपुर-टोरी के बीच अतिरिक्त रेल लाइन का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए देवघर से डिब्रूगढ़ के बीच नई ट्रेन और टाटानगर से बदामपहाड़ के बीच मेमू ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इसके अलावा मोहनपुर-हंसडीहा रेल लाइव का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कुजू-रांची रोड वाई कनेक्शन रेल लाइन का भी शिलान्यास करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार धनबाद से लोकसभा चुनाव का भी आगाज करेंगे। वे धनबाद, गिरिडीह और कोडरमा लोकसभा क्षेत्र की कलस्टर सभा को संबोधित करेंगे। वहीं इससे पहले प्रधानमंत्री सुबह 10.15 बजे दुर्गापुर हवाईअड्डा पर लैंड करेंगे। वहां से एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर से 10.45 बजे सिंदरी स्थित हर्ल प्रतिष्ठान पहुंचेंगे। झारखंड की कई परियोजनाओं का शुभारंभ करने के बाद प्रधानमंत्री अपराह्न 12.20 बजे धनबाद के बरवाअड्डा हवाईअड्डा स्थित सभा स्थल पहुंचेंगे। 1.30 बजे तक वे जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री धनबाद से पश्चिम बंगाल के लिए रवाना हो जाएंगे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर लगी मुहर, आप भी उठा सकते हैं लाभ

नेशनल डेस्क- मोदी सरकार की कैबिनेट ने देश के 1 करोड़ से ज्यादा परिवारों को फ्री बिजली देने वाली पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को अपनी कल यानी गुरुवार को मंजूरी दे दी है। इसकी जानकारी केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शेयर की है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 फरवरी, 2024 को इस योजना की शुरुआत की थी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी दी है। ठाकुर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संपन्न हुई है। इस दौरान %पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को आज मंजूरी दे दी गई है, इस योजना के तहत एक करोड़ परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी।

75,021 करोड़ रुपये किए जाएंगे खर्च

गुरुवार को केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में PM Surya Ghar Yojna को मंजूरी दी गई है। उन्होंने आगे बताया कि इस मुफ्त बिजली योजना के तहत देश के 1 करोड़ परिवारों के घरों पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे और इस पूरे प्रोजेक्ट पर केंद्र सरकार कुल 75,021 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अलावा हर जिले में मॉडल सोलर विलेज भी डेवेलप किए जाएंगे। 13 फरवरी को किया था लॉन्च प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी महीने इस स्कीम के तहत लाभार्थियों को 300 यूनिट फ्री बिजली मिलेगी। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने इस योजना में अपने घरों की छत पर सोलर पैनल लगवाने वाले लोगों की लागत के बोझ को कम करने के मद्देनजर सब्सिडी भी भेजने का प्रावधान किया गया है। रूफटॉप सोलर पैनल के लिए अप्लाई करने वालों को 1 किलोवाट के पैनल के लिए 30,000 रुपये और 2 किलोवाट के लिए 60,000 रुपये की सब्सिडी मिल सकती है। जबकि 3 किलोवॉट या इससे ऊपर के सिस्टम्स के लिए 78000 रुपये की सब्सिडी मिलेगी।

सब्सिडी पाने के लिए...

इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदक को भारत का निवासी होने चाहिए। इसके साथ ही खुद के आवास वाले गरीब और मध्यम आय वाले परिवार इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। यहां ये बात ध्यान में रखना जरूरी है कि सरकार की ओर से मिलने वाली सब्सिडी पाने के लिए आपको एक जरूरी काम करना होगा। नेट मीटर इंस्टॉल होने के बाद ष्ठढ्ढस्ष्ठह्रू की तरफ से जांच के बाद पोर्टल से आपके लिए कमीशनिंग सर्टिफिकेट जारी कर दी जाएगी, जिसका मतलब होगा कि अब आप इस योजना के तहत अप्लाई कर चुके हैं। लेकिन सब्सिडी लेने के लिए आपको एक डॉक्यूमेंट अपलोड करना होगा। सर्टिफिकेट के जारी होने के बाद पोर्टल पर बैंक अकाउंट डिटेल और कैंसिल चेक सब्मिट करना होगा। इसके बाद आपके बैंक अकाउंट में सब्सिडी भेजी जाएगी। अब अपने राज्य और बिजली वितरण कंपनी का नाम चुनें। फिर अपना बिजली उपभोक्ता नंबर, मोबाइल नंबर और ईमेल डालें। इसके बाद नए पेज पर कंज्यूमर नंबर और मोबाइल डालकर लॉगइन करें। जब फॉर्म खुल जाएगा तो इसमें दिए गए दिशा-निर्देशों के तहत रूफटॉप सोलर पैनल के लिए अप्लाई करें। इस प्रक्रिया को पूरा करने के बाद आपको फीजिबिलिटी अप्रूवल मिलेगा, इसके बाद अपने ष्ठढ्ढस्ष्ठह्रू के साथ रजिस्टर्ड किसी भी वेंडर से प्लांट इंस्टॉल करा सकेंगे। सोलर पैनल इंस्टॉलेशन होने के बाद अगले स्टेप के तहत आपको प्लांट डिटेल के साथ नेट मीटर के लिए आवेदन करना होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569